हरिभूमि

जींद-कैथल भूमि

रोहतक, रविवार 5 जुलाई 2026

तापमान

अधिकतम 35.0 डिग्री से.
न्यूनतम 30.0 डिग्री से.

10 भाजपा सरकार लोकतंत्र और संविधान को चोट पहुंचा रही

10 संस्कार, अनुशासन और राष्ट्र प्रथम...

खबर संक्षेप

ट्रेन की चपेट में आने से अज्ञात युवक की मौत

जींद। दिल्ली-कुरुक्षेत्र रेलवे लाइन पर नरवाना-कलायत के बीच ट्रेन की चपेट में आने से अज्ञात युवक की मौत हो गई। जीआरपी ने शव को कब्जे में लेकर नागरिक अस्पताल के शव गृह में रखवा दिया है। रेलवे थाना पुलिस को सूचना मिली थी कि नरवाना-कलायत स्टेशन के बीच 20 वर्षीय एक युवक की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई है। सूचना मिलते ही पुलिस ने पहुंचकर शव को कब्जे में ले लिया। तलाशी ली तो उसके पास से ऐसा कुछ नहीं मिला जिससे शिनाख्त हो सके।

सड़क हादसे में घायल युवक ने तोड़ा दम

जींद। बुढाखेड़ा के निकट सड़क हादसे मे घायल फोटोग्राफर की पीजीआई रोहतक में उपचार के दौरान मौत हो गई। सदर थाना सफीदों पुलिस ने मृतक के भाई की शिकायत पर फरार कार चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बुढाखेड़ा निवासी विनित गत 15 जून को देर शाम को घूमने गया हुआ था। गांव के निकट ही जींद-सफीदों मार्ग पर तेजरफ्तार कार ने विनित को टक्कर मार दी। जिसमें विनित गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजनों ने विनित को नागरिक अस्पताल पहुंचाया था।

चोट मारने के मामले में तीन आरोपी गिरफ्तार

कैथल। गांव भानपुरा में महिला व लड़कियों पर हमला करके चोटे मारने के मामले में तुरंत कार्रवाई करते मामले में शामिल 2 महिला आरोपियों सहित आरीप देवर को भी गिरफ्तार कर लिया। थाना सदर एसएचओ एसआई कुलदीप सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि 3 जुलाई को गांव भानपुरा निवासी महिला रेखा की एक शिकायत प्राप्त हुई थी। जिसमें उसके द्वारा उसके पति, देवर, देवरानी व सास पर उसके व उसकी बेटियों पर लाठी डंडे से हमला करके चोटे मारने के आरोप लगाए गए थे।

प्रताड़ना के आरोप में पति सहित तीन नामजद

कैथल। महिला थाना पुलिस ने विवाहिता की शिकायत पर पति, सास और ससुर के खिलाफ दहेज प्रताड़ना, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में केस दर्ज किया है। आरोप है कि विवाह के बाद से ही महिला को लगातार प्रताड़ित किया जाता था और नवंबर 2025 में उसे बच्चों सहित घर से निकाल दिया गया। सीवन थाना पुलिस को दी शिकायत में एक गांव निवासी सीमा रानी ने बताया कि उसकी शादी 16 अप्रैल 2016 को फतेहाबाद जिले के युवक सोनू के साथ हुई थी।

गांव भानपुरा में मारपीट में तीन घायल, केस दर्ज

कैथल। गांव भानपुरा में बोरवेल (समर्सिबल) चलाने को लेकर हुए विवाद में महिला समेत तीन लोगों से मारपीट कर दी। मामले में कैथल सदर थाना पुलिस ने 5 आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया है। शिकायत की जांच के दौरान पुलिस ने पाया कि घर में घुसकर हमला करने का आरोप सही नहीं है। जबकि खेत में समर्सिबल को लेकर झगड़ा और मारपीट होना सामने आया। रेखा ने पुलिस को दी शिकायत में आरोप लगाया था कि 30 जून को बलविंद्र, रामचंद्र, मुकेश, शांति और मेवा सिंह ने घर पहुंचकर लाठी-डंडों और कस्सी के बिंडों से जानलेवा हमला किया।

इन्वर्टर और बैटरी चोरी मामले में दो गिरफ्तार

जींद। सदर थाना नरवाना पुलिस ने खेतों से इन्वर्टर बैटरी चोरी करने के मामले में दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपितों की पहचान खनौरी पंजाब निवासी अनिल उर्फ लीला व बलवान के रूप में हुई है।

थाना सदर नरवाना के प्रभारी उप निरीक्षक कुलदीप सिंह ने बताया कि शिकायतकर्ता गांव दनौला कलां निवासी राजेंद्र उर्फ बबली ने पुलिस को दी शिकायत में बताया था कि उसके खेत से चोरों ने इन्वर्टर व बैटरी चोरी कर ली है।

जींद। परीक्षा केंद्र में जाने से पहले परीक्षार्थियों के रोल नंबर की जांच करते पुलिसकर्मी व परीक्षा केंद्र के अंदर जाने से पहले चूड़ी उतारते महिला व आधार कार्ड की जांच करते व पुलिस कर्मियों को दिशा-निर्देश देते हुए एसपी। फोटो :हरिभूमि

3526 ने दी परीक्षा, 544 परीक्षार्थी रहे गैरहाजिर

कड़ी सुरक्षा में एचटेट लेवल-3 की परीक्षा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड द्वारा शनिवार दोपहर बाद करवाई गई अध्यापक पात्रता लेवल 3 (पोस्ट ग्रेजुएट टीचर) पीजीटी की परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो गई। शनिवार को परीक्षा को लेकर 14 परीक्षा केंद्र बनाए गए थे। जिनमें 4270 परीक्षार्थियों को परीक्षा देनी थी। 14 परीक्षा केंद्रों पर 4270 परीक्षार्थियों में से 3726 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी। जबकि 544 परीक्षार्थियों ने परीक्षा से अनुपस्थित रहे। परीक्षा को नकल रहित संपन्न करवाने के लिए डीसी, एसपी, एसडीएम व अन्य प्रशासनिक अधिकारियों के नेतृत्व में उडऩ दस्ते लगातार परीक्षा केंद्रों का जायजा लेते रहे। प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर बाहरी तथा अंदरूनी हालातों, ड्यूटीरत कर्मचारियों पर खूफिया विंग के सदस्य लगातार नजर रखी गई। सेंटरों के बाहर बाहर खड़ी गाडिय़ों की जांच की गई। कर्मचारियों से पूछताछ की गई और उनके आई कार्ड भी जांचे गए। परीक्षा केंद्र तक पहुंचने के लिए परीक्षार्थियों को तीन चरणों की जांच से होकर गुजरना पड़ा। परीक्षा से संबंधित समन्वय एवं त्वरित सहायता के लिए लघु सचिवालय के प्रथम तल पर स्थित सभागार में कंट्रोल रूम स्थापित किया गया था। नकल रहित परीक्षा करवाने के लिए बीएनएसएस की धारा 163 के तहत प्रत्येक परीक्षा केंद्र के 500 मीटर के दायरे में प्रतिबंधात्मक आदेश लागू किए गए थे। इस अवधि में परीक्षा केंद्रों के आसपास साइबर कैफे, फोटोकॉपी, प्रिंटिंग, स्कैनिंग तथा इसी प्रकार की अन्य गतिविधियों का संचालन प्रतिबंधित रहेगा। साथ ही परीक्षा केंद्रों के आसपास अनावश्यक भीड़ एकत्रित करने पर भी पूर्ण प्रतिबंध रहा। रविवार पांच जुलाई को प्रातःकालीन सत्र में लेवल 2 की परीक्षा में 6813 अभ्यर्थी एवं सायंकालीन सत्र में लेवल 1 की परीक्षा में 1791 अभ्यर्थी शामिल होंगे। परीक्षा को नकल रहित संपन्न करवाने के लिए बोर्ड द्वारा सभी कमरों में जैमर लगाए गए थे। परीक्षा केंद्रों में जाने से पहले परीक्षार्थियों की गहनता से जांच की गई। इसके बाद आई स्कैन भी की गई। रोल नंबर को जांचा गया। एचटेट लेवल तीन की परीक्षा दोपहर बाद शुरु हुई, जबकि परीक्षार्थी एक बजे ही परीक्षा केंद्रों के बाहर जुटने शुरू हो गए थे। परीक्षा केंद्र के अंदर जाने से पहले ही परीक्षार्थियों की गहनता से जांच की गई। कोई अवांछित सामग्री अंदर न पहुंचे इसके लिए महिला परीक्षार्थियों को भी जांचने का काम किया गया। तय समय दो बजे पर परीक्षा केंद्रों में इंट्री को बंद कर दिया गया। एचटेट परीक्षा के लिए बस स्टैंड परिसर से स्पेशल रोडवेज बसों का संचालन किया गया। बूथ नंबर एक के पास बसों को खड़ा किया गया था। वहीं पूछताछ केंद्र पर अनाउंसमेंट के जरिए रोडवेज कर्मचारी अभ्यर्थियों को बसों के बारे में जानकारी देते रहे। बसों के शीशे पर निर्धारित रूट भी चस्पाया गया था। अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए रोडवेज द्वारा 6 रूट निर्धारित किए हैं। इसमें से रूट नंबर एक पर आधारशिला व दालमवाला पब्लिक स्कूल के लिए बस चली। रोडवेज द्वारा एक रूट पर दो स्पेशल बस चलाई जा रही हैं। हालांकि शनिवार को एक शिफ्ट में ही परीक्षा थी। वहीं रविवार को दो शिफ्टों में परीक्षा है। अगर अभ्यर्थियों की संख्या ज्यादा होती है तो बसों की संख्या में इजाफा किया जाएगा।

जींद। परीक्षा केंद्र का निरीक्षण करते डीसी डॉ. वैशाली शर्मा। फोटो :हरिभूमि

अफवाह पर ध्यान न देने की अपील

परीक्षा की पवित्रता एवं विश्वसनीयता बनाए रखना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता : डीसी

डीसी डा. वैशाली शर्मा ने कहा कि परीक्षा की पवित्रता एवं विश्वसनीयता बनाए रखना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसके लिए किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने अभ्यर्थियों से भी सहयोग की अपील करते हुए कहा कि वे परीक्षा केंद्र पर निर्धारित समय से पहले पहुंचें ताकि बायोमीट्रिक सत्यापन एवं अन्य आवश्यक औपचारिकताएं समय रहते पूरी की जा सकें। साथ ही उन्होंने अभ्यर्थियों से परीक्षा संबंधी सभी दिशा-निर्देशों का पालन करने और किसी भी अफवाह पर ध्यान न देने की अपील की।

एसपी ने लिया व्यवस्थाओं का जायजा

एसपी कुलदीप सिंह ने बताया कि हरियाणा अध्यापक पात्रता परीक्षा को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं नकल रहित तरीके से संपन्न करवाने को लेकर पुख्ता प्रबंध किए गए थे। उन्होंने स्वयं कई परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया। कोई भी परीक्षार्थी परीक्षा केंद्रों में बिना चैकिंग किए प्रवेश नहीं कर पाया है। थ्रीलेयर सुरक्षा अपनाई गई है। अभ्यार्थियों की जांच कर परीक्षा केंद्र में भेजा जा रहा है। जैमर भी लगाए गए हैं। अगर कोई बच्चा किसी वजह से लेट होता है तो पुलिस पीसीआर अपनी गाड़ी से उनके परीक्षा केंद्रों तक पहुंचाने का प्रबंध किया गया है।

कैथलः पेपर देने नहीं पहुंचे 372 अभ्यर्थी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड द्वारा आयोजित हरियाणा अध्यापक पात्रता परीक्षा (एचटेट)-2026 के तहत शनिवार को जिले में लेवल-3 (पीजीटी) की परीक्षा शांतिपूर्ण, पारदर्शी और नकल रहित माहौल में संपन्न हुई। जिले के 10 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित इस परीक्षा में 3173 पंजीकृत अभ्यर्थियों में से 2801 ने परीक्षा दी, जबकि 372 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। दौरान डीसी अपराजिता ने आरकेएसडी कॉलेज तथा डॉ. भीमराव अंबेडकर कॉलेज सहित विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। मौजूद अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देश दिए कि परीक्षा के दौरान किसी भी अभ्यर्थी को किसी प्रकार की असुविधा न हो तथा सभी केंद्रों पर बोर्ड के दिशा-निर्देशों का शत-प्रतिशत पालन सुनिश्चित किया जाए। डीसी ने परीक्षा केंद्रों पर जैमर, बायोमेट्रिक सत्यापन, सीसीटीवी कैमरों एवं वीडियोग्राफी की व्यवस्था की समीक्षा करते कहा कि परीक्षा पूरी तरह पारदर्शी, निष्पक्ष एवं नकल रहित तरीके से आयोजित की जा रही है। बिजली, पेयजल, शौचालय सहित सभी मूलभूत सुविधाओं को सुचारु रखने तथा प्रत्येक केंद्र पर उपस्थित एवं अनुपस्थित अभ्यर्थियों का सही रिकॉर्ड रखने के निर्देश भी दिए। बताया कि रविवार, 5 प्रातःकालीन सत्र में जिले के 17 परीक्षा केंद्रों पर लेवल-2 (टीजीटी) तथा सायंकालीन सत्र में 5 परीक्षा केंद्रों पर लेवल-1 (पीआरटी) की परीक्षा आयोजित की जाएगी। परीक्षा के सुचारु संचालन के लिए पुलिस एवं विभिन्न विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई है तथा जिला प्रशासन सतर्कता के साथ निगरानी बनाए है।

कैथल। डीसी अपराजिता एचटेट परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण करते हुए। फोटो :हरिभूमि

निर्धारित समय से पहुंचे परीक्षा केंद्र

डीसी ने कहा कि परीक्षा को लेकर किसी भी प्रकार की अफवाह फैलाने या अनुचित गतिविधि में संलिप्त पाए जाने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने अभ्यर्थियों से भी निर्धारित समय से पहले परीक्षा केंद्रों पर पहुंचने की अपील की ताकि प्रवेश प्रक्रिया समय पर पूरी हो सके। निरीक्षण के दौरान जिला परिषद के सीईओ सुरेश राविश, डीएसपी सुशील प्रकाश, डीएसपी बीरभान सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

आज लेवल वन व टू की परीक्षा देने आने वालों को केंद्रों तक पहुंचाएंगी सरकारी बसें

जींद। दूसरे जिलों से जींद में हरियाणा अध्यापक पात्रता परीक्षा देने आने वाले परीक्षार्थियों को घबराने की जरूरत नही है। उन्हें तय समय पर रोडवेज बसों के माध्यम से परीक्षा केंद्रों तक पहुंचाया जाएगा। पांच जुलाई को प्रातःकालीन सत्र में लेवल 2 की परीक्षा में 6813 अभ्यर्थी एवं सायंकालीन सत्र में लेवल 1 की परीक्षा में 1791 अभ्यर्थी शामिल होंगे। इस बार जिले में कुल 22 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। जहां शनिवार व रविवार को कुल 12,874 अभ्यर्थी अपनी परीक्षा देंगे। परीक्षार्थियों को केंद्रों तक समय पर पहुंचाने और किसी भी प्रकार की असुविधा से बचाने के लिए रोडवेज प्रशासन ने पुख्ता इंतजाम किए है। जींद बस अड्डस के ट्रैफिक मैनेजर वीरेंद्र पाल ने बताया कि परीक्षार्थियों की सुविधा के लिए जींद, नरवाना और सफीदों से विशेष प्रबंध किए गए हैं। गांवों से परीक्षार्थियों को परीक्षा केंद्रों तक लाने के लिए 34 विशेष बसों की ड्यूटी लगाई है।

ऑनलाइन ट्रेंडिग में मुनाफा दिखा लगाया तीन लाख रुपये का चूना

- मुनाफे समेत राशि वापस करने के नाम पर जमा करवाते रहे रुपये

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

ऑनलाइन ट्रेडिंग में मुनाफे का झांसा देकर आईटी कपनी के कर्मी को साइबर ठगों ने तीन लाख रुपये का चूना लगा दिया। साइबर थाना पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर अज्ञात लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गांव जुलानी निवासी हरदीप सिंह ने पुलिस को दी शिकायत मे बताया कि वह आईटी कंपनी में कार्यरत है। नवंबर 2025 में वह गुगल पर ऑनलाइन ट्रेडिंग एप सर्च कर रहा था। 17 नवंबर को उसके फोन पर कॉल आई। उसने खुद को तान्या बताया। फिर उसने वंशिका का व्हाटसअप नंबर देकर बात करने के लिए कहा। बातचीत होने के बाद दोनों के नंबरों से ऑनलाइन मुनाफे के स्क्रीनशोट आने लगे। यह सिलसिला एक पखवाड़े तक चलता रहा। जिसके बाद उन्होंने एक लिंक उसके व्हाट्सअप पर भेजा। जिस पर अपने सभी दस्तावेज भेज कर रजिस्ट्रेशन करवा लिया। उसके नाम से आईडी बन गई। गत पांच दिसंबर को उसने कहे अनुसार 98 हजार रुपये डाल दिए।

देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन का पानीपत रूट पर ट्रायल

जींद। देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन का शनिवार को पानीपत रूट पर हाई स्पीड ट्रायल किया गया। ट्रायल के दौरान ट्रेन को 110 से 120 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ाया गया। हाइड्रोजन ट्रेन का हाई स्पीड परीक्षण अब अंतिम चरण में पहुंच चुका है और सभी तकनीकी मानकों पर इसकी लगातार जांच की जा रही है। ट्रेन को 70 से लेकर 120 किमी की रफ्तार से ट्रायल लिया गया। ट्रेन ने जींद और पानीपत के बीच दो चक्कर लगाए। ट्रायल के दौरान रेलवे के इंजीनियरों और तकनीकी विशेषज्ञों की टीम पूरी यात्रा पर नजर बनाए रही। ट्रेन की गति, ब्रेकिंग सिस्टम, इंजन की कार्यक्षमता, सिग्नलिंग, ट्रैक पर संतुलन और अन्य तकनीकी पहलुओं का बारीकी से परीक्षण किया गया।

मोटरसाइकिल सवारों पर हमला, बाइक जलाई

- पुलिस ने चार लोगों को नामजद कर आठ अन्य पर दर्ज किया केस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

गांव रामपुरा निजी स्कूल के निकट दर्जनभर युवकों ने बाइक सवार दो युवकों पर तेजधार हथियारों से हमला कर रुपये तथा मोबाइल फोन छीनने की कोशिश की। युवक किसी तरह जान बचाने मे कामयाब हो गए। आरोपितों ने युवकों की बाइक को जला डाला। सदर थाना सफीदों पुलिस ने शिकायत के आधार पर चार लोगों को नामजद कर आठ अन्य के खिलाफ मारपीट करने, आगजनी समेत विभिन्न भारतीय न्याय संहिता के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गांव सिंघाना निवासी प्रिंस ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह कार्यवश सफीदों गया हुआ था। वह अपने दोस्त अभी के साथ बाइक पर सवार होकर घर वापस वापस लौट रहा थे। जब वे वापस घर लौट रहे थे तो गांव रामपुरा निजी स्कूल के निकट दर्जनभर युवकों ने उनका रास्ता रोक कर उन पर तेजधार हथियारों से हमला कर दिया। आरोपितों ने उनसे रुपये तथा मोबाइल फोन छीनन की कोशिश की। चोट लगने के बाद भी वे बाइक को छोड़ कर जान बचाने के लिए खेतों की तरफ भाग निकले और शोर मचाया। आरोपितों ने सड़क पर छोड़ बाइक को आग लगा दी। छीना झपटी व मारपीट के दौरान चार युवकों को पहचान लिया। जिसमें गांव सिंघाना निवासी प्रदीप, विकास, राजा, बादल थे। जब कि वे आठ अन्य को पहचान नही पाए। सूचना पाकर जब तक पुलिस मौके पर पहुंचती, तब तक वे फरार हो चुके थे। सदर थाना सफीदों पुलिस ने प्रिंस की शिकायत चारों लोगों को नामजद कर आठ अन्य के खिलाफ मारपीट करने, आग लगाने समेत विभिन्न भारतीय न्याय संहिता के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मामले की जांच की जा रही

सदर थाना सफीदों के जांच अधिकारी पवन ने बताया कि दो युवकों पर हमला कर घायल करने तथा उनकी बाइक जलाने की शिकायत मिली थी। फिलहाल दर्जनभर युवकों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है।

एआई जेनरेटेड

ग्रामीण बोले : पेयजल के समाधान के लिए फोन तक नहीं उठा रहे अधिकारी

पानी को लेकर सरकार के खिलाफ गरजे थुआवासी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अलेवा

पीने के पानी की मांग को लेकर थुआ गांव के ग्रामीणों ने शनिवार को जलघर पर पहुंचकर सरकार तथा विभाग के अधिकारियों के खिलाफ नारेबाजी कर रोष जताया। ग्रामीणों का कहना था कि अधिकारी उनकी समस्या का समाधान करने के लिए फोन तक नहीं उठा रहे हैं। जिसको लेकर ग्रामीणों ने विभाग तथा सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर रोष जताया। मामले की सूचना मिलते ही जलापूर्ति विभाग उचाना से जेई मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों की समस्या का जल्द समाधान करने का आश्वासन देकर ग्रामीणों को शांत किया। हालांकि इस संदर्भ में जेई से बात करने की कोशिश की गई तो उनके द्वारा अधिकारियों की परमिशन नहीं होने की बात कहकर बात करने से इंकार कर दिया। थुआ निवासी कपिल, सरपंच प्रतिनिधि गोलू, सुरेश, प्रदीप, सरपंच कुलदीप, मोहन, आर्यन, ओम नंबरदार आदि ने बताया कि जलघर में करीब तीन-चार दिन से मोटर जली हुई है, लेकिन अधिकारियों के पास समस्या का समाधान कराने के लिए फोन आदि करते हैं तो उनके द्वारा ग्रामीणों के फोन तक नहीं उठाए जाते। जिसके कारण ग्रामीणों को पीने के पानी के लाले पड़े हुए हैं। यही नहीं जलघर में रखी मोटर तथा स्टाट्रर काफी समय से जर्जर स्थिति में होने बाबत ग्रामीणों ने काफी समय से अधिकारियों को अवगत करवाया हुआ है, लेकिन अधिकारी उनकी बातों की तरफ तनिक भी ध्यान नहीं दे रहे हैं। जलघर में फिलहाल एक ही मोटर से काम चलाया जा रहा है। जिससे पूरे गांव की पीने के पानी की आपूर्ति पूरी नहीं हो रही है। गांव में प्रति कालोनी चार से पांच दिन में ही पीने के पानी के दर्शन हो रहे हैं। पीने के पानी के लिए ग्रामीण दूर-दराज खेतों का रूख कर रहे हैं। जिसके कारण लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने सरकार तथा विभाग के अधिकारियों से थुआ गांव स्थित जलघर में रखी मोटर को जल्दी ठीक करवाने के साथ-साथ अन्य खराब हो चुके उपकरणों को जल्द ठीक करवाने की मांग की है ताकि ग्रामीणों को पीने के पानी के मामले में किसी प्रकार की दिक्कत का सामना न करना पड़े।

सोमवार तक होगा समाधान

मामले को लेकर थुआ गांव के सरपंच प्रतिनिधि राजेश से बात की गई तो उन्होंने बताया कि पीने के पानी की मांग को लेकर ग्रामीणों ने शनिवार को जलघर पर प्रदर्शन किया था। जिसमे उचाना से जलापूर्ति विभाग के जेई गोविंद ने मौके पर पहुंचकर ग्रामीणों को सोमवार तक का समय दिया है। अगर सोमवार तक ग्रामीणों की समस्या का समाधान नहीं होता तो ग्रामीण दोबारा से प्रदर्शन क रने पर मजबूर होगें।

गुहला चीका। सरकारी दुकानों का निरीक्षण कर दुकानदारों से बातचीत करते एसडीएम मनीष कुमार यादव व अन्य अधिकारी। फोटो :हरिभूमि

किराया जमा नहीं करने वाले 17 दुकानदारों को नोटिस

गुहला-चीका। एसडीएम मनीष कुमार यादव ने शुक्रवार को चीका नगरपालिका के समीप स्थित सरकारी दुकानों का निरीक्षण किया। इस दौरान लंबे समय से किराया जमा नहीं करने वाले 17 दुकानदारों को नोटिस जारी किए गए। निरीक्षण के दौरान एसडीएम ने संबंधित दुकानदारों से निर्धारित समय सीमा के भीतर बकाया किराया जमा कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि 16 जुलाई तक किराया जमा करने की अंतिम तिथि तय की गई है। यदि इस अवधि तक बकाया राशि जमा नहीं कराई तो संबंधित दुकानदारों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करते दुकानों को खाली करवाने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। एसडीएम ने शहर के सभी सरकारी दुकानों के किरायेदारों से समय पर किराया जमा करने की अपील करते कहा कि प्रशासन का सहयोग करें, ताकि अनावश्यक कानूनी कार्रवाई से बचा जा सके।

खबर संक्षेप

चैनत में सांसद सैलजा ने किया संबोधित

नरवाना। सिरसा की सांसद, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव कुमारी सैलजा शनिवार को गांव चानौत पहुंचीं, जहां पिछले कई दिनों से ग्रामीण पेयजल संकट को लेकर धरने पर बैठे हुए हैं। धरनास्थल पर पहुंचने पर ग्रामीणों ने कुमारी सैलजा का फूल-मालाओं से भव्य स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने धरने को संबोधित करते हुए ग्रामीणों की मांगों का समर्थन किया और सरकार से गांव की पेयजल समस्या का तत्काल एवं स्थायी समाधान करने की मांग की।

जींदः गांव बरसाना में रक्तदान शिविर आज

जींद। बरसाना गांव में बरसाना युवा विकास समिति जींद और रामचंद्र बिमला देवी मेमोरियल ट्रस्ट बरसाना के द्वारा स्वैच्छिक विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन पांच जुलाई को किया जाएगा। समिति अध्यक्ष प्रदीप रेढू ने बताया कि शिविर को लेकर युवाओं में उत्साह है। नर्सिंग ऑफिसर मनीषा बरसाना ने कहा है कि रक्त की पूर्ति केवल मनुष्य के द्वारा ही पूरी की जा सकती है। इसीलिए हमें समय-समय पर रक्तदान जरूर करना चाहिए ताकि किसी जरूरतमंद व्यक्ति की जान बचा सके। रक्तदान शिविर में विशिष्ट अतिथि के तौर पर राष्ट्रीय कवि ओमप्रकाश चौहान, धर्मराज जागलान, महीपाल कौशिक, राजेंद्र सोनी शिरकत करेंगे।

जुलाना के एईआरओ ने बूथ का किया निरीक्षण

जींद। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण.2026 अभियान के तहत चल रहे कार्यों की समीक्षा के लिए जुलाना के एईआरओ सिराज खान ने बूथ नंबर 162 से 170 का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने बूथों पर जाकर विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य की विस्तृत जानकारी ली, बीएलओ की समस्याएं सुनीं तथा उनका मौके पर ही समाधान किया। एईआरओ सिराज खान ने कहा कि निर्वाचन संबंधी कार्य पूरी पारदर्शिता, निष्पक्षता, और समर्पण के साथ समयबद्ध तरीके से पूरा करना प्रत्येक बीएलओ का दायित्व है।

तीन किसानों के खेतों से बिजली मोटर-पैनल चोरी

जींद। जिले में बीती रात चोरों ने तीन किसानों के खेतों से मोटरें तथा सोलर कंट्रोलर को चोरी कर लिया। संबंधित थाना पुलिस ने शिकायतों के आधार पर चोरी के मामले दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गांव चाबरी निवासी सुभाष ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि बीती रात चोरो ने उसके खेत से बिजली मोटर चोरी कर ली। वहीं गांव खरकगागर निवासी विजेंद्र के खेत से चोरों पर पैनल कंट्रोलर को चोरी कर लिया। खरकगागर निवासी विक्रम के खेत से भी बिजली मोटर को चोरी कर लिया है।।

बच्चों को पौधरोपण के लिए किया जागरूक

जींद। हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण तथा जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरणए जींद पूनम सुनेजा के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जींद के तत्वावधान में शुक्रवार को गवर्नमेंट मिडिल स्कूल, अमरहेड़ी में पौधारोपण के लिए जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अमित सिहाग के मार्गदर्शन में पैनल अधिवक्ता देवराज मलिक ने विद्यालय के विद्यार्थियों एवं स्टाफ सदस्यों को जागरूक किया।

यदुवंशी डिग्री कॉलेज की प्रैक्टिकल परीक्षा दोबारा

जींद। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद जींद इकाई द्वारा हाल ही में चौधरी रणबीर सिंह विवि के परीक्षा नियंत्रक डा. राजेश बंसल को सौंपे ज्ञापन के बाद विवि प्रशासन ने नारनौल स्थित यदुवंशी डिग्री कॉलेज में बीएडप्रैक्टिकल परीक्षा को दोबारा कराने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। एबीवीपी जींद विवि इकाई अध्यक्ष सतविंदर ने बताया कि कॉलेज से जुड़ा कथित वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था, जिसमें प्रैक्टिकल परीक्षा में अधिक अंक दिलाने के नाम पर विद्यार्थियों से तीन हजार धनराशि मांगने के आरोप लगाए गए थे।

छात्रों की गूंज कार्यक्रम को पूर्व केंद्रीय मंत्री बीरेंद्र सिंह ने किया संबोधित

भाजपा सरकार लोकतंत्र और संविधान को चोट पहुंचा रही

देश और प्रदेश की भाजपा सरकार में विद्यार्थियों के हित नहीं सुरक्षितः रिषिपाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

नीट सहित अन्य शैक्षणिक व प्रतियोगी परीक्षाओं के लीक मामले में देश के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने प्रतिभाशाली युवाओं के हित में अलख जगाते भाजपा सरकार की जो घेराबंदी कर रहे हैं। उस मुहिम को शनिवार को सैंकड़ों कांग्रेसी और छात्र सींचते हुए नजर आए। छात्रों के हित में जिला कांग्रेस कार्यालय में छात्रों की गूंज कार्यक्रम रखा गया। जिसमें राहुल गांधी के उस वक्तव्य को सुनाया गया, जिसमें वे कोटा के अंदर छात्रों का दर्द सुनने के साथ सरकार के नकारा तंत्र को घेर रहे है। कांग्रेस के जिला प्रधान रिषिपाल हैबतपुर की अध्यक्षता में आयोजित छात्रों की गूंज के इस कार्ग्रम में पूर्व केंद्रीय मंत्री बीरेंद्र सिंह, हरियाणा युथ कांग्रेस प्रभारी मिमांशा आर्य, पूर्व विधायक सुभाष गांगोली, सोमबीर राठी, जिला उप प्रधान राजु लखीना, वजीर गांगोली, बलराम कटवाल, संगठन महासचिव पवन दूहन मोहित लाठर, जयभगवान गोयल सहित अनेकों कांग्रेस नेता मौजूद थे। छात्रो की गूंज कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व केंद्रीय मंत्री बीरेंद्र सिंह ने कहा कि भाजपा सरकार देश को दो हजार वर्ष पूर्व के अतीत में धकेलने की कोशिश कर रही है। इस सरकार में छात्रों के हित सुरक्षित नहीं है। यही कारण है कि जब नीट जैसी अनेको परीक्षाए लीक होती है और रोष में छात्र केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग करते है तो उनकी कोई सुनवाई नहीं होती। भाजपा सरकार लोकतंत्र और संविधान को चोट पहुंचा रही है। इसके लिए हम सब को खासकर छात्र और युवा वर्ग को एकजुट होकर आगे आना होगा। कांग्रेस यूथ प्रभारी मिमांशा आर्य ने कहा कि छात्रों के हित में राहुल गांधी ने बड़ी अलख जगाने का काम किया है। देश के हर प्रदेश में छात्रों की गूंज कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे है। भाजपा सरकार की शिक्षा क्षेत्र से जुड़ी नकारा नीतियों के कारण देश के छात्र वर्ग में बड़ा रोष बना हुआ है। 2029 में यह रोष बड़ी तस्वीर तय करने का काम करेगा।

जींद। कार्यक्रम को संबोधित करते कांग्रेस जिलाध्यक्ष रिषिपाल हैबतपुर।

जींद। कार्यक्रम में मौजूद कार्यकर्ता। फोटो :हरिभूमि

शिक्षा मंत्री को बर्खास्त करने की मांग

शिक्षा व्यवस्था, आईसीयू में पहुंच चुकी है। देश भर के छात्र केंद्रीय शिक्षा मंत्री को बर्खास्त करने की मांग कर रहे है, किंतु अहंकार में डूबी तानाशाही प्रवृत्ति की भाजपा सरकार युवाओं के दर्द की अनदेखी कर रही है। नीट पेपर लीक से हताश जिन छात्रों ने आत्महत्या का रास्ता चुना उसके लिए सरकार का नकारा सिस्टम जिम्मेदार है। मगर भाजपाई इतने निर्लज हो चुके है कि उनको किसी का दर्द नजर नहीं आ रहा। सरकार की तानाशाही का मुंह तोड़ जवाब देने के लिए लोगों में बड़ा गुस्सा पनपने लगा है। अयोधा के राम मंदिर में चोरी नहीं डाका डाला गया है। सरकार इस मामले में असली जिम्मेदारों को बचाने में जुटी हुई है। देश के प्रधानमंत्री से लेकर उनके मंत्रियों की जुबान को लकवा मार गया है।

छात्रों में रोष का लावा पनप रहा

भगवान राम के नाम की आड़ जो पाप किया गया है वह भाजपा को बुरी तरह से ले डूबेगा। 2029 में भाजपा अपने सांसद और विधायक बनाना तो दूर की बात वार्डों में पार्षद भी नहीं बना पायेगी। क्योंकि मौजूदा दौर में जिस तरह से लोकतंत्र को कुचला जा रहा है उसे हर कोई देख रहा है। समय आने पर भाजपाईयों का जनता जनार्दन हिसाब चुकता कर देगी। इस मौके पर एनएसयूआई जिला प्रधान मोहित लाठर ने कहा कि भाजपा सरकार जिस तरह से योग्यता को रौंद रही है उसके नतीजन छात्रों में रोष का लावा पनप रहा है। जिस दिन यह लावा बाहर निकलेगा उस दिन भाजपा सरकार ढूंढने से भी नहीं मिलेगी। सरकार जिस तरीके से लोकतंत्र को कुचल रही है उसके विरोध में छात्र वर्ग मैदान में खड़ा हो चला है।

जींद। मौसमी बीमारियों को लेकर जागरूक करते हुए। फोटो :हरिभूमि

ग्रामीणों को डेंगू व मलेरिया को लेकर किया जागरूक

■ स्वास्थ्य कर्मचारियो ने सिंध्वीखेड़ा में चलाया फीवर मास सवे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खरकरामजी के अंतर्गत सिंधवीखेड़ा में स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा तेजवीर सिंह व विजेंद्र सिंह स्वास्थ्य सुपरवाइजर की अगुवाहि में स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा रैपिड फीवर मास सर्वे अभियान चलाकर ग्रामीणों को मच्छरजनित बीमारियों के प्रति जागरूक किया गया। अभियान के दौरान स्वास्थ्य कर्मियों ने घर-घर जाकर लोगों के स्वास्थ्य की जांच की, बुखार से पीड़ित व्यक्तियों की पहचान की तथा मलेरिया, डेंगू, चिकनगुनिया जैसी बीमारियों से बचाव के उपाय बताए। टीम द्वारा जिन लोगों को बुखार की शिकायत मिली, उनकी ब्लड स्लाइड तैयार कर जांच के लिए लैब में भेजी गई ताकि समय रहते मलेरिया जैसी बीमारियों की पुष्टि कर उपचार शुरू किया जा सके। सुपरवाइजर विजेंद्र सिंह व तेजवीर सिंह ने बताया कि बरसात और गर्मी के मौसम में मच्छरों का प्रकोप बढ़ जाता है। इसलिए इस समय विशेष सावधानी बरतना जरूरी है। मलेरिया एक गंभीर बीमारी है जो संक्रमित मच्छर के काटने से फैलती है। इसके प्रमुख लक्षणों में ठंड लगना, तेज बुखार आना, पसीना आना, शरीर टूटना, कमजोरी, सिरदर्द, उल्टी तथा बार-बार बुखार चढन्ना और उतरना शामिल हैं। यदि किसी व्यक्ति को ऐसे लक्षण दिखाई दें तो उसे तुरंत स्वास्थ्य केंद्र में जांच करवानी चाहिए। समय पर जांच और इलाज से गंभीर परिणामों से बचा जा सकता है। स्वास्थ्य टीम ने गांव में कई जगह नुक्कड़ सभाओं का आयोजन कर ग्रामीणों को साफ.-सफाई के महत्व के बारे में भी जागरूक किया। लोगों को बताया गया कि घरों के आसपास पानी जमा न होने दें। क्योंकि जमा पानी में मच्छर पनपते हैं। कूलर, गमले, टंकियां और पुराने टायरों में जमा पानी को नियमित रूप से खाली करें। स्वास्थ्य कर्मियों ने लोगों से पूरी बाजू के कपड़े पहननेए सोते समय मच्छरदानी का उपयोग करने तथा नीम के पत्तों का धुआं करने की अपील की।

लोकतंत्र की मजबूती के लिए शुद्ध एवं अद्यतन मतदाता सूची अत्यंत आवश्यक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नरवाना

केएम राजकीय महाविद्यालय, के तत्वावधान में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्यक्रम के प्रति आमजन को जागरूक करने के उद्देश्य से विद्यार्थियों द्वारा एक जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। रैली को महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ मीनू सिंह ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया व विभिन्न जागरूकता नारों के माध्यम से नागरिकों को मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान की जानकारी दी। विद्यार्थियों ने लोगों से अपील की कि वे अपने नाम, पते तथा अन्य विवरणों का सत्यापन करवाएं तथा पात्र नागरिकों के नाम मतदाता सूची में दर्ज करवाने में सहयोग करें। रैली महाविद्यालय परिसर से प्रारंभ होकर शहर के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरी। इस दौरान विद्यार्थियों ने सशक्त लोकतंत्र की पहचान, शुद्ध मतदाता सूची अभियान, मतदाता सूची का करें सुधार, लोकतंत्र होगा और मजबूत, घर-घर पहुंचे लोकतंत्र अभियान, एस आई आर में दें अपना योगदान जैसे नारों के माध्यम से जनजागरूकता फैलाने का कार्य किया। प्राचार्या ने अपने संबोधन में कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए शुद्ध एवं अद्यतन मतदाता सूची अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों से सामाजिक जागरूकता अभियानों में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया।

स्वामी विवेकानंद के बताए मार्ग पर चलने का आह्वान

■ जॉयफुल-डे पर स्वामी विवेकानंद की पुण्यतिथि पर विविध प्रतियोगिताओं का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

निपुण भारत मिशन के अंतर्गत जॉयफुल शनिवार के अवसर पर युवाओं के प्रेरणास्त्रोत एवं महान आध्यात्मिक गुरु स्वामी विवेकानंद की पुण्यतिथि पर जिले के विद्यालयों में प्रेरणादायी गतिविधियों का आयोजन किया। जिला समन्वयक एफएलएन राजेश वशिष्ठ के मार्गदर्शन में बच्चों के लिए ड्राइंग, पेंटिंग एवं भाषण प्रतियोगिताओं का आयोजन कराया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने उत्साह एवं उमंग के साथ बढ़-चढ़कर भाग लिया। प्रतियोगिताओं के माध्यम से बच्चों ने स्वामी विवेकानंद के व्यक्तित्व, राष्ट्रप्रेम, मानव सेवा तथा उनके प्रेरणादायी विचारों को चित्रों और भाषणों के माध्यम से प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। विद्यार्थियों की रचनात्मक अभिव्यक्ति और आत्मविश्वास ने सभी को प्रभावित किया। इस अवसर पर जिला समन्वयक एफएलएन राजेश वशिष्ठ ने कहा कि बच्चों को स्वामी विवेकानंद के जीवन, आदर्शों और विचारों से परिचित कराना समय की आवश्यकता है। उनके जीवन से बच्चों में अच्छे संस्कार, अनुशासन, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता तथा राष्ट्र के प्रति समर्पण की भावना का विकास होता है। कहा कि विद्यालयों में इस प्रकार की गतिविधियाँ बच्चों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। राजेश वशिष्ठ ने बताया कि स्वामी विवेकानंद का संदेश उठो, जागो और लक्ष्य प्राप्ति तक मत रुको आज भी युवाओं के लिए प्रेरणा का स्त्रोत है। उनके विचार आत्मविश्वास, राष्ट्रभक्ति और मानव सेवा की भावना को मजबूत करते हैं तथा जीवन में निरंतर आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने कहा कि निपुण मिशन के अंतर्गत भविष्य में भी बच्चों के व्यक्तित्व विकास एवं नैतिक मूल्यों को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से ऐसी प्रेरणादायी गतिविधियों का नियमित आयोजन किया जाता रहेगा।

जींद। जॉयफुल गतिविधि में भाग लेते बच्चे। फोटो :हरिभूमि

जींद। स्वच्छता अभियान चलाए सेव संस्था सदस्य। फोटो :हरिभूमि

स्वच्छता को देशभक्ति मान अपना सहयोग दें : सेव

जींद। सामाजिक संस्था सोसाइटी फोर एडवांसमेंट ऑफ विलेज एंड अर्बन इंवायरमेंट सेव ने शनिवार को रजवाहा रोड पर स्वच्छता अभियान चलाया। सेव संस्था द्वारा यह 472वां अभियान संस्था के प्रधान नरेंद्र नाडा की अध्यक्षता में चलाया गया। नगर परिषद और सेव संस्था द्वारा चलाया गया ये सामूहिक अभियान हरियाणा स्वच्छ भारत मिशन के डिप्टी चेयरमैन सुभाष चंद्र के जन्मोत्सव के नाम किया गया। संस्था सदस्यों ने स्वच्छता का महत्व समझाते हुए स्वच्छता को देशभक्ति बताया। यह संदेश देने का प्रयास किया कि हर आदमी ने स्वच्छता में बढ़चढ़ कर भाग लेना चाहिए। लोगों को कूड़ा डस्टबिन में डालने का आह्वान किया। क्योंकि जब तक हम डस्टबिन का प्रयोग नहीं करेंगे तब तक स्वच्छता किसी भी रूप में नहीं रह सकती। हर आदमी स्वच्छता को देशभक्ति मानकर अपना सहयोग देना चाहिए। इस जिम्मेदारी को सभी ने मन से निभाना चाहिए। हर आदमी ने हर प्रकार का कूड़ा डस्टबिन में ही डालना चाहिए।

नवनिर्वाचित अध्यक्षा मंजू मानव को कॉलर पहना कर चार्टर भेंट किया

जींद। इनर व्हील क्लब जींद यूनाइटेड ने स्थापना समारोह का आयोजन किया। कार्यक्रम का संचालन सचिव नैंसी बत्रा ने किया। पूर्व अध्यक्षा कविता आहूजा नवनिर्वाचित अध्यक्षा मंजू मानव को कॉलर पहना कर चार्टर भेंट किया। नई कार्यकारिणी का गठन हुआ। जिसमें नवनियुक्त अध्यक्षा मंजू मानव, पूर्व अध्यक्ष कविता आहूजा, उपाध्यक्ष रेनू जैन, सचिव नैंसी बत्रा, कोषाध्यक्ष नीना गेरा, आइएसओ वंदना गुप्ता, अंजना रेढू ने अपना कार्यभार संभाला । पूर्व अध्यक्षा कविता आहूजा ने पूरा वर्ष सभी कार्यक्रमों के सहयोग के लिए सभी सदस्यों का आभार प्रकट किया। सचिव नीना गेरा ने स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए कविता आहूजा के सफल कार्यकाल के लिए उन्हें बधाई दी। अंत में मंजू मानव ने कहा कि वह अपने दायित्व को पूरी निष्ठा से निभाएंगी। इसके लिए पूरी इकाई को सहयोगी रहने का आग्रह किया। पूरी कार्यकारिणी को दायित्व लिखित पट्टिका पहना कर सम्मानित किया गया। इस वर्ष जुड़े नए सदस्यों को मंच पर बुलाकर परिचय करवाया गया और इनर व्हील क्लब के कार्यों को विस्तार से बताया गया। इस कार्यक्रम के विशेष अवसर पर इनर व्हील क्लब जींद यूनाइटेड के सभी सदस्य उपस्थित रहे।

इनर व्हील क्लब यूनाइटेड ने मनाया स्थापना समारोह

जींद। कार्यक्रम में भाग लेते क्लब सदस्य। फोटो :हरिभूमि

अलेवा। रा.कालेज के स्वयं सेवक अलेवा गांव में जागरूकता प्रभात फेरी निकालते हुए।

ग्रामीणों को मतदान के महत्व के प्रति प्रेरित किया

अलेवा। अलेवा के राजकीय महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना की एनएसएस इकाई द्वारा शनिवार को जिला निर्वाचन अधिकारी व एडीसी के आदेशानुसार मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण के अंतर्गत एक जागरूकता प्रभात फेरी का आयोजन किया गया। इसकी अध्यक्षता एनएसएस अधिकारी प्रो.मनोज कुमार ने की तथा मुख्य तौर पर प्राचार्य डा. मुनीष कुमार ने हिस्सा लिया। प्रभात फेरी के दौरान महाविद्यालय के स्वयंसेवकों ने हाथों में मतदाता जागरूकता के स्लोगन व बैनर लेकर पूरे अलेवा गांव का भ्रमण किया। स्वयंसेवकों ने देशभक्ति व जागरूकता के नारे लगाते गांव के प्रत्येक चौक-चौराहों पर ग्रामीणों को मतदान के महत्व के प्रति प्रेरित किया। ग्रामीणों को विशेष तौर पर जागरूक किया गया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा अभियान के लिए 01 जुलाई को क्वालिफ ाइंग तिथि माना गया है। जिसके तहत 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके या इससे अधिक आयु के किसी भी पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में दर्ज होना अनिवार्य है।

राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय अलेवा में नए कमरे का उद्घाटन

संस्कार, अनुशासन और राष्ट्र प्रथम की भावना से तैयार होंगे विकसित भारत के नागरिक : विधायक देवेंद्र अत्री

हरिभूमि न्यूज ▶▶| उचाना

अलेवा के राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम के दौरान उचाना के विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री ने नवनिर्मित कमरे का लोकार्पण किया। इस अवसर पर उन्होंने विद्यालय परिसर का निरीक्षण भी किया तथा विद्यार्थियों और शिक्षकों से संवाद कर शिक्षा के महत्व पर अपने विचार रखे। पर्यावरण का संदेश देते हुए पौधरोपण किया। विधायक ने कहा कि प्रदेश सरकार का लक्ष्य हर बच्चे तक समान, गुणवत्तापूर्ण और राष्ट्रहित पर आधारित शिक्षा पहुंचाना है। शिक्षा केवल रोजगार का माध्यम नहीं, बल्कि बेहतर समाज और मजबूत राष्ट्र निर्माण की आधारशिला है। संस्कार और अनुशासन से युक्त शिक्षा ही समाज को सही दिशा देती है। विद्यार्थियों में बचपन से ही राष्ट्र प्रथम की सोच विकसित करना आवश्यक है, ताकि वे भविष्य में जिम्मेदार नागरिक बनकर देश के विकास में अपना योगदान दे सकें। विकसित उचाना, विकसित हरियाणा और विकसित भारत का सपना तभी साकार होगा, जब युवा पीढ़ी शिक्षा, संस्कार और नवाचार के साथ आगे बढ़ेगी। विधायक ने कहा कि सरकार शिक्षा के क्षेत्र में लगातार आधारभूत सुविधाओं का विस्तार कर रही है। सरकारी विद्यालयों में नए भवन, अतिरिक्त कक्ष, आधुनिक सुविधाएं और बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराया जा रहा है, ताकि ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों को भी निजी विद्यालयों के समान बेहतर शिक्षा मिल सके। उन्होंने विद्यार्थियों से मेहनत, अनुशासन व आत्मविश्वास के साथ अपने लक्ष्य की ओर आगे बढन्ने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं गणमान्य लोगों की उपस्थिति रही। विद्यालय परिवार ने विधायक का स्वागत करते हुए शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे विकास कार्यों के लिए उनका आभार व्यक्त किया। इस मौके पर प्राचार्य बलजीत, सरपंच विनोद, रणधीर सिंह, प्रताप, सोमनाथ शर्मा, राजवीर सिंह, मदन मंगला मौजूद रहे।

उचाना। विद्यार्थियों को संबोधित करते विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री। फोटो :हरिभूमि

उचाना। ग्रामीणों से बातचीत करते भाजपा नेता राजू शर्मा। फोटो :हरिभूमि

'विधायक देवेंद्र जनता से किया हर वादा पूरा करेंगे'

उचाना। भाजपा नेता राजू शर्मा ने कहा कि उचाना कलां में विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री के नेतृत्व में विकास कार्य तेजी से किए जा रहे हैं। क्षेत्र के विकास के लिए धन की कोई कमी नहीं है और विधायक बनने से पहले जनता से किए गए वादों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जा रहा है। विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री ने विधानसभा में शपथ लेने के बाद सबसे पहले किसानों की वर्षों पुरानी ढाकल हेड से उचाना के लिए रजबाहा लाने की मांग को प्रमुखता से उठाया। इसके अलावा बरसोला माइनर में पानी चलाने की अवधि बढ़ाने, सिंचाई व्यवस्था को मजबूत करने तथा विकसित उचाना के लिए अनेक जनहित के मुद्दों को विधानसभा में रखने का काम किया। कहा कि उचाना विकास रैली के दौरान मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के समक्ष भी विधायक अत्री ने ढाकल हेड से रजबाहा निकालने की मांग रखी थी। मुख्यमंत्री ने इस मांग को स्वीकार करते मामले के अध्ययन और आगे की कार्रवाई के लिए कमेटी गठित करने की घोषणा की। विधायक का उद्देश्य क्षेत्र के हर गांव और शहर में आधारभूत सुविधाओं का विस्तार करना है।

खबर संक्षेप

जाजनपुर में चलाया जागरूकता अभियान

ढांड। जिला पुलिस अधीक्षक मनप्रीत सिंह सूदन के नेतृत्व में जिलेभर में नशा तस्करों एवं अपराधियों के खिलाफ लगातार सख्त अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में ढांड थाना प्रभारी सब इंस्पेक्टर शक्ति सिंह ने गांव जाजनपुर में ग्रामीणों एवं गणमान्य नागरिकों के साथ नशा जागरूकता बैठक आयोजित की। बैठक में आसपास के गांवों के लोगों को भी नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराते हुए नशामुक्त समाज के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया गया।

सेरधा में निकली भव्य निशान यात्रा

राजौंद। महंत बाबा मोहन गिरी त्यागी जी ने बताया कि कुंड वाला श्री श्याम बाबा मंदिर, सेरधा की ओर से शनिवार को भव्य निशान यात्रा का आयोजन किया गया। इस दौरान महिलाओं की श्रद्धा देखते ही बनती थी। बड़ी संख्या में महिलाओं ने निशान यात्रा में बढ़-चढ़कर भाग लिया और पूरे श्रद्धा भाव के साथ शामिल हुईं यह निशान यात्रा श्याम मंदिर से शुरू होकर पूरे गांव की परिक्रमा करते हुए पुनः मंदिर परिसर में पहुंची। यात्रा के दौरान भक्तों में विशेष उत्साह देखने को मिला।

उत्कृष्ट कार्य करने वाले बीएलओ सम्मानित

कलायत। कलायत विधानसभा क्षेत्र में एसआईआर के तहत उत्कृष्ट कार्य करने वाले बीएलओ को निर्वाचन पंजीयन अधिकारी-कम-एसडीएम कलायत अजय हुड्डा ने प्रशंसा-पत्र देकर सम्मानित किया।

उन्होंने बताया कि बूथ नंबर 168 की बीएलओ सुनीता (जेबीटी) तथा बूथ नंबर 93 के बीएलओ कुलदीप (जेबीटी) को निर्वाचन संबंधी कार्यों में उत्कृष्ट प्रदर्शन, समयबद्ध फील्ड सत्यापन, मतदाता पंजीकरण तथा निर्वाचन नामावली की शुद्धता और पारदर्शिता सुनिश्चित करने में उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रशंसा-पत्र प्रदान किए गए।

समाजहित के कार्यों को जनआंदोलन बनाएंगे

सीवन। जनसेवा विचार मंच की बैठक प्रदेश अध्यक्ष धर्मेंद्र बवेजा की अध्यक्षता में प्रदेश उपाध्यक्ष अशोक गोयल के कार्यालय में आयोजित हुई। बैठक में मंच की भावी कार्ययोजना तथा सामाजिक सरोकारों से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक की जानकारी देते हुए प्रदेश अध्यक्ष धर्मेंद्र बवेजा एवं प्रदेश उपाध्यक्ष अशोक गोयल ने बताया कि मंच का उद्देश्य समाज में सेवा, जागरूकता और सकारात्मक सोच को बढ़ावा देना है।

स्वच्छ हरियाणा-स्वस्थ हरियाणा का दिया संदेश

सीवन। स्वच्छ भारत मिशन हरियाणा के वाइस चेयरमैन सुभाष चन्द्र के जन्मदिवस के अवसर पर शनिवार को कस्बा सीवन में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय परिसर से शुरू हुए इस अभियान के माध्यम से आमजन को स्वच्छता के प्रति जागरूक कर स्वच्छ हरियाणा-स्वस्थ हरियाणा का संदेश दिया गया। अभियान का आयोजन जिला नगर आयुक्त कपिल कुमार तथा नपा सीवन के सचिव दीपक कुमार के सहयोग से किया गया।

---

26 ई-रिक्शा और ऑटो का चालान, 12 को किया इंपाउंड

यातायात पुलिस ने ई-रिक्शा व ऑटो चालकों पर कसा शिकंजा

ऑटो चालकों में मचा हड़कंप रास्ता बदल कर सवारी ले जाते नजर आए

हरिभूमि न्यूज ▸▸ कैथल

कैथल। सड़क से गुजरते ऑटो। फोटो : हरिभूमि

कैथल में बिना दस्तावेजों और अंडरएज में ऑटो व ई-रिक्शा चलने के दिन लदते दिखाई दे रहे हैं। जहां 2 जून को आटो व इ रिक्शा चालकों ने हड़ताल कर नए एजेंडे पास किए थे तो वहीं अब यातायात पुलिस ने बिना दस्तावेजों और अंडरएज में ऑटो व ई-रिक्शा चलाने वालों के खिलाफ अपना लंगर लंगोट कस लिया है। शनिवार को जिला यातायात प्रभारी सतपाल सिंह की टीम ने ऐसे आटो व इ रिक्शा वालों के खिलाफ जांच अभियान चलाया। जांच के दौरान दर्जनों ड्राइवरों के पास न तो वाहनों के दस्तावेज पूरे मिले और न ही उम्र सही मिली। ऐसे में पुलिस ने 26 ई-रिक्शा और ऑटो के चालान कर दिए। जिन वाहनों की आरसी तक नहीं मिली उनको पुलिस टीम द्वारा इंपाउंड कर लिया गया और ट्रैफिक थाने ले गई। 26 में से 12 वाहनों को इंपाउंड कर लिया गया।

जांच के दौरान पुलिस ने 26 वाहनों के करीब ढाई लाख रुपए के चालान भी किए हैं। साथ ही वाहन ड्राइवरों को चेतावनी दी गई कि वे नियमों को पूरा कर सभी दस्तावेजों के साथ सड़कों पर निकलें।

नाबालिग लड़के बेखौफ सड़कों पर दौड़ा रहे ऑटो और ई-रिक्शा

ट्रैफिक थाना एसएचओ सतपाल सिंह ने बताया कि पुलिस के पास शिकायतें पहुंच रही थी कि शहर में नाबालिग लड़के बेखौफ ऑटो और ई-रिक्शा सड़कों पर दौड़ा रहे हैं। उनके पास न तो पूरे दस्तावेज हैं और न ही उनकी आयु वाहन चलाने की है। यहां तक कि वे ड्रेस कोड में भी नहीं होते हैं। ऐसे में पहले तो सबको चेतावनी दी गई कि नियमों का पालन करें। आज फिर से जांच अभियान शुरू कर चालान काटने की कार्रवाई की गई।

नौसीखियों के हाथ में ई-रिक्शा

बता दें कि शहर में देखने में आया था कि करीब 5 हजार आटो व इ रिक्शा चल रहे हैं। इनमें से करीब 50 प्रतिशत से अधिक आटो व इ रिक्शा पर नौसीखिए नजर आ रहे हैं। यही नहीं शहर में करीब 100 से अधिक महिलाओं के हाथों में भी आटो का स्टीयरिंग देखा गया था जिनमें से अधिकतर के पास कोई चालक लाइसेंस नहीं है। यही कारण है कि शहर में सडक हादसों के ग्राफ में इजाफा देखा जा रहा था लेकिन अब यातायात पुलिस ने इन पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया है।

चोरी और लूट के कई मामले आ चुके सामने

ऑटो और ई रिक्शा में लूट, छीनाझपटी और चोरी जैसी कई वारदातें शहर में सामने आ चुकी हैं। उन पर भी पुलिस ने संज्ञान लिया है। उन्होंने बताया कि पुलिस की ओर से आगे भी लगातार वाहनों की जांच की जाएगी। पुलिस यातायात नियमों को लेकर सख्त है।

- सतपाल सिंह, ट्रैफिक थाना एसएचओ

एमडीएन ग्लोबल स्कूल ने चलाया पौधरोपण अभियान

कैथल। पौधरोपण करते एमडीएन ग्लोबल स्कूल के विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

- विद्यालय परिसर में छायादार, फलदार एवं औषधीय पौधे लगाए

हरिभूमि न्यूज ▸▸ कैथल

पर्यावरण संरक्षण एवं हरित भविष्य के निर्माण के संकल्प को साकार करते हुए एमडीएन ग्लोबल स्कूल, कैथल की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई द्वारा वन महोत्सव सप्ताह के अंतर्गत वृक्षारोपण अभियान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन विद्यालय की एनएसएस इकाई के 11वीं एवं 12वीं कक्षा के स्वयंसेवकों ने एनएसएस कोऑर्डिनेटर प्रीति के नेतृत्व में किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय परिसर में पौधारोपण के साथ हुआ। इस अवसर पर विद्यालय के निदेशक डॉ. विनोद कुमार, चेयरपर्सन निधि कंसल, प्रबंधक गौरव गर्ग तथा प्रधानाचार्य संत कौशिक ने पौधे रोपकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। विद्यालय परिसर में छायादार, फलदार एवं औषधीय पौधों का रोपण किया गया। स्वयंसेवकों ने पौधों की नियमित देखभाल एवं संरक्षण का संकल्प भी लिया।

पौधरोपण सराहनीय कार्य

डॉ. विनोद कुमार ने कहा कि वृक्ष पृथ्वी के वास्तविक जीवन दाता हैं। वे न केवल प्राणवायु प्रदान करते हैं, बल्कि पर्यावरण संतुलन बनाए रखने, वर्षा चक्र को सुचारू रखने, प्रदूषण कम करने तथा जैव विविधता के संरक्षण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन और बढ़ते प्रदूषण की चुनौती का सबसे प्रभावी समाधान अधिक से अधिक पौधरोपण और उनका संरक्षण है। उन्होंने विद्यालय की एनएसएस इकाई द्वारा किए गए इस सराहनीय प्रयास की प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसे अभियान विद्यार्थियों में सामाजिक जिम्मेदारी, सेवा भावना और पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता विकसित करते हैं।

एसआईआर कार्य में प्रदेश में अव्वल स्थान हासिल करेगा कैथल: ज्योति

हरिभूमि न्यूज ▸▸ कलायत

कलायत। डॉ. प्रीतम कोलेखा के आवास पर मौजूद भाजपा जिला अध्यक्ष ज्योति सैनी और जिला प्रभारी अमरपाल राणा। फोटो : हरिभूमि

कलायत विधानसभा क्षेत्र में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन-एसआईआर) अभियान को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी कड़ी में शनिवार को कलायत स्थित लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) विश्रामगृह में भाजपा जिला अध्यक्ष ज्योति सैनी और जिला प्रभारी अमरपाल राणा ने संगठन की महत्वपूर्ण बैठक लेकर कार्यकर्ताओं को अभियान से जुड़े विभिन्न पहलुओं की विस्तार से जानकारी दी। बैठक में जिला महामंत्री जंगीर सिसला और मंडल अध्यक्ष राजीव राजपूत विशेष रूप से मौजूद रहे।

जिला अध्यक्ष ज्योति सैनी और जिला प्रभारी अमरपाल राणा ने कहा कि भाजपा का लक्ष्य सभी वर्गों के लोगों से बेहतर तालमेल स्थापित करते हुए जिला कैथल को एसआईआर अभियान में प्रदेश में अग्रणी स्थान दिलाना है। बैठक में प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य अजित चहल, जिला सचिव अजय प्रताप राणा, जयदीप राणा, मैनपाल राणा, सचिन शर्मा, रमेश ढूंढवा, ठाकुर वीरेंद्र राणा, नरसी गर्ग, राहुल राणा, राममेहर शर्मा, मार्केट कमेटी चेयरमैन राजकिशन काका राणा, राजेश नायक, महिपाल सैनी, नगर पालिका के पार्षद व भाजपा पदाधिकारी उपस्थित रहे।

स्वास्थ्य विभाग के कार्यों की समीक्षा

गुहला-चीका। एसडीएम मनीष कुमार यादव ने उपमंडलाधीश कार्यालय में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक कर विभाग की विभिन्न योजनाओं एवं विकास कार्यों की समीक्षा की। बैठक में उप स्वास्थ्य केंद्रों एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के भवन निर्माण के लिए भूमि उपलब्ध कराने के प्रस्ताव पर विस्तार से चर्चा की गई। अधिकारियों ने बताया कि रिवाड़ जागीर, रामथली, गगड़पुर एवं खरकां में उप स्वास्थ्य केंद्र तथा गांव खरकां में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के भवन निर्माण के लिए भूमि उपलब्ध करवाने की आवश्यकता है। एसडीएम मनीष कुमार यादव ने नायब तहसीलदार गुहला बलराज मलिक की अध्यक्षता में स्वास्थ्य विभाग एवं पंचायत विभाग के प्रतिनिधियों की संयुक्त टीम का गठन किया।

जनहित के मुद्दों पर सिर्फ इनेलो मुखर, कांग्रेस भाजपा की 'बी टीम'

- महंगाई और बेरोजगारी के मुद्दे पर चुप्पी साधे है कांग्रेस

हरिभूमि न्यूज ▸▸ पूंडरी

पूंडरी। कार्यकर्ताओं के साथ इनेलो युवा जिलाध्यक्ष देवेंद्र पुजारी। फोटो : हरिभूमि

इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) के युवा जिला अध्यक्ष एवं जिला पार्षद पंडित देवेंद्र पुजारी ने कहा कि प्रदेश में विपक्ष की भूमिका केवल इनेलो निभा रहा है, जबकि कांग्रेस भाजपा सरकार की 'बी टीम' बनकर काम कर रही है।

कांग्रेस सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ प्रभावी ढंग से आवाज नहीं उठा रही, जबकि इनेलो लगातार जनता के हितों के लिए संघर्ष कर रहा है। पूंडरी में कार्यकर्ताओं की बैठक को संबोधित करते हुए पंडित देवेंद्र पुजारी ने कहा कि इनेलो सुप्रीमो अभय सिंह चौटाला के नेतृत्व में पार्टी प्रदेशभर में जनहित के मुद्दों को लेकर धरने-प्रदर्शन कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में बढ़ती महंगाई, पेट्रोल-डीजल और रसोई गैस की बढ़ती कीमतें, बेरोजगारी, किसानों की समस्याएं, नशे का बढ़ता कारोबार, कानून-व्यवस्था की बिगड़ती स्थिति, चिट फंड घोटालों, युवाओं की भर्ती में कथित अनियमितताओं तथा एसाईटी सहित विभिन्न जनहित के मुद्दों पर इनेलो लगातार सरकार को घेर रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस इन मुद्दों पर चुप्पी साधे हुए है।

कैथल। मोबाइल वैन से दवाइयां लेते ग्रामीण। फोटो : हरिभूमि

नवीन जिन्दल फाउंडेशन की मोबाइल मेडिकल यूनिट ने की 172 लोगों की सेहत की जांच

कैथल। नवीन जिन्दल फाउंडेशन द्वारा संचालित मोबाइल मेडिकल यूनिट ने जिन्दल हाउस कैथल में 172 लोगों को निःशुल्क चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई। डॉ. बलविंद्र सिंह ने बताया कि लोगों की स्वास्थ्य जांच कर उन्हें आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श प्रदान किया। रक्तचाप, मधुमेह सहित विभिन्न सामान्य बीमारियों की जांच की गई। जरूरतमंद 119 मरीजों को निःशुल्क दवाइयां वितरित की गईं, जबकि 53 लोगों के रक्त व युरिन के परीक्षण भी मौके पर ही किए गए। सांसद नवीन जिन्दल के कैथल कार्यालय प्रभारी रविन्द्र धीमान ने बताया कि सांसद नवीन जिन्दल के मार्गदर्शन में मोबाइल मेडिकल यूनिट के माध्यम से गांवों और कस्बों में लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया जा रहा है। यूनिट की टीम लोगों को पौष्टिक भोजन खाने, साफ-सफाई रखने, नियमित व्यायाम करने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के बारे में जानकारी देती है।

वकालत केवल पेशा नहीं, समाज को न्याय दिलाने का दायित्व : हरि सिंह

हरिभूमि न्यूज ▸▸ गुहला-चीका

गुहलाचीका। जिला एवं सत्र न्यायाधीश चंडीगढ़ हरि सिंह ग्रेवाल का स्वागत करते बार एसोसिएशन के पदाधिकारी एवं अन्य अधिवक्ता। फोटो : हरिभूमि

जिला एवं सत्र न्यायाधीश चंडीगढ़ हरि सिंह ग्रेवाल ने कहा कि वकील समाज का वह वर्ग है, जिसने देश की आजादी की लड़ाई से लेकर आज तक हर सामाजिक आंदोलन और जनहित के कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वकील दूसरों के मामलों की चिंता करते हैं और न्याय मिलने तक मानसिक तनाव का सामना करते हुए समाज को सही मार्गदर्शन प्रदान करते हैं। वे शनिवार को गुहला बार एसोसिएशन की ओर से आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अपने न्यायिक जीवन की शुरुआत उन्होंने इसी स्थान से वकालत के रूप में की थी, इसलिए वे वकालत पेशे की चुनौतियों और समाज के बीच इसकी अहम भूमिका से परिचित हैं। अधिवक्ता भीषण गर्मी, कड़ाके की सर्दी और अनेक कठिन परिस्थितियों में मुवक्किलों को न्याय दिलाने का प्रयास करते हैं। युवा अधिवक्ताओं का उत्साहवर्धन करते हुए उन्होंने कहा कि प्रारंभिक दौर की कठिनाइयों से घबराने के बजाय मेहनत, धैर्य और ईमानदारी के साथ कार्य करें, सफलता निश्चित रूप से मिलेगी।

136 मामलों में 162 आरोपियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▸▸ कैथल

एसपी मनप्रीत सिंह सूदन

जून माह में पुलिस अपराधियों पर भारी रही। एसपी मनप्रीत सिंह सूदन के नेतृत्व में पुलिस ने जून माह में राब व मादक पदार्थ तस्करी, चोरी, लूट, सेंधमारी, अवैध असला रखने आदि के 136 मामलों में 162 आरोपी गिरफ्तार किए। पुलिस प्रवक्ता प्रवीन श्योकंद ने बताया कि जून माह दौरान विशेष तौर पर नशा तस्करों के खिलाफ अभियान चलाते हुए 31 मामले दर्ज करके 43 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। उनके कब्जे से 69 किलो 330 ग्राम डोडा पोस्त, 11 किलो 100 ग्राम चुरा पोस्त, 87 किलो 429 ग्राम गांजा, 9 किलो 251 ग्राम अफीम, 1 किलो 135 ग्राम चरस, 478.206 ग्राम हैरोइन तथा 60 नशीली गोलियां व नशीली गोलियां का 428 ग्राम पाउडर सहित बड़ी मात्रा में लाखों रुपए मूल्य का नशीला पदार्थ बरामद किया गया। वहीं जून माह के दौरान शराब तस्करों के खिलाफ भी कड़ी कार्रवाई करते हुए 69 मामलों में 69 आरोपी गिरफ्तार किए गए हैं, जिनके कब्जे से 1132 बोतल देशी, 225 बोतल हथकढ़ी शराब, 147 बोतल अंग्रेजी शराब, 36 बोतल बीयर तथा करीब 1890 लीटर लाहण बरामद हुआ। संपत्ति विरुद्ध अपराधियों पर शिकंजा कसते हुए 27 मामलों में 36 आरोपियों को काबू किया।

विद्यार्थियों और शिक्षकों को पौधे लगाने तथा उनकी देखभाल का किया आह्वान

एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत विद्यालय में हुआ पौधरोपण

वर्तमान समय में बढ़ता प्रदूषण पर्यावरण के लिए बन रहा चुनौती

हरिभूमि न्यूज ▸▸ सीवन

सीवन। माडल संस्कृति स्कूल में पौधारोपण करते अध्यापक व बच्चे।

पर्यावरण संरक्षण और हरित भविष्य के संकल्प को मजबूत करने के उद्देश्य से राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सीवन में शनिवार को /"एक पेड़ मां के नाम 3.0/" अभियान के अंतर्गत पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षकों, कर्मचारियों तथा विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और बड़ी संख्या में पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्राचार्य नरेश दुल ने की। उन्होंने अपने संबोधन में विद्यार्थियों और शिक्षकों को अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा उनकी नियमित देखभाल करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में बढ़ते प्रदूषण और पर्यावरणीय चुनौतियों के बीच वृक्षारोपण ही सबसे प्रभावी उपाय है। प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में कम से कम एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए और उसकी देखभाल भी करनी चाहिए, ताकि वह एक विशाल वृक्ष का रूप लेकर समाज और प्रकृति को लाभ पहुंचा सके। प्राचार्य ने कहा कि /"एक पेड़ माँ के नाम/" अभियान केवल पौधारोपण तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हमारी माताओं, मातृभूमि और प्रकृति के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करने का एक भावनात्मक प्रयास भी है। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि जिस प्रकार माता अपने बच्चों का पालन-पोषण करती है, उसी प्रकार पौधों की भी नियमित देखभाल की जानी चाहिए, ताकि वे भविष्य में पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकें। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में छायादार, फलदार एवं औषधीय पौधों का रोपण किया गया।

अभियान को जन-जन तक पहुंचाएं

शिक्षकों ने विद्यार्थियों को बताया कि वृक्ष न केवल हमें शुद्ध वायु प्रदान करते हैं, बल्कि भूजल संरक्षण, जैव विविधता और प्राकृतिक संतुलन बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम में ईको क्लब प्रभारी संदीप कुमार, बहादुर सिंह, अशोक कुमार, विक्रम ढुल, एनसीसी अधिकारी आशुतोष, अनिल दलाल सहित विद्यालय के अनेक शिक्षकों और विद्यार्थियों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। सभी ने अभियान को जन-जन तक पहुंचाने तथा अपने आसपास अधिक से अधिक पौधे लगाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों ने पौधों की नियमित देखभाल करने और हरित वातावरण के निर्माण में अपना योगदान देने का संकल्प दोहराया। इस अवसर पर विद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत सरकारी स्कूल में 100 पौधे रोपे

गुहला-चीका। गवर्नमेंट मॉडल संस्कृति सीनियर सेकेंडरी स्कूल, चीका में शनिवार को ईको क्लब फॉर मिशन लाइफ के तत्वावधान में /"एक पेड़ मां के नाम 3.0/" अभियान के तहत पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। अभियान के अंतर्गत विद्यालय परिसर में लगभग 100 पौधे लगाए गए। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्रधानाचार्य मेधाव्रत ने पौधा लगाकर किया। उन्होंने विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने का संकल्प लेना चाहिए। पेड़-पौधे पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के साथ आने वाली पीढ़ियों के लिए भी अमूल्य धरोहर हैं। इको क्लब फॉर मिशन लाइफ के प्रभारी लक्ष्मी नारायण ने विद्यार्थियों को पौधरोपण के महत्व से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए अधिक से अधिक पौधे लगाना समय की आवश्यकता है। कार्यक्रम में विद्यार्थियों, अध्यापकों एवं अध्यापिकाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

खबर संक्षेप

भाजपा ने तीन लाख 27 हजार पन्ना प्रमुख नकली बनाए : बीरेंद्र

जींद। पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता चौधरी बीरेंद्र सिंह ने कहा कि आने वाले चुनाव के बाद भाजपा देश व प्रदेश में नजर नहीं आएगी। क्योंकि यह सभी हमारे मित्र (भाजपा नेता) कमजोर हैं। बीरेंद्र सिंह कांग्रेस कार्यालय में शनिवार को पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। पेपर लीक मामले में युवा शिक्षामंत्री का इस्तीफा मांग रहे हैं। युवाओं में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। जब वह भाजपा में थे तो भाजपा ने तीन लाख 27 हजार पन्ना प्रमुख बनाए थे। इस पर उन्होंने ओमप्रकाश धनखड़ से कहा कि इसमें तो सभी नकली हैं।

पीएम सूर्य घर - मुफ्त बिजली योजना का लाभ उठाएं : डीसी

कैथल। डीसी अपराजिता ने बताया कि केंद्र सरकार द्वारा पीएम सूर्य घर - मुफ्त बिजली योजना शुरू की गई है। अंत्योदय परिवार जिनकी सालाना आय 1.80 लाख से कम है व जिनकी सालाना बिजली खपत 2400 यूनिट तक है, वे दो किलोवाट तक का सोलर पैनल लगवाने पर भारत सरकार की ओर से 60 हजार रुपये व हरियाणा सरकार की ओर से 50 हजार रुपये अनुदान प्राप्त कर सकते हैं । जिनकी सालाना आय तीन लाख रुपये तक है व सालाना बिजली खपत 2400 यूनिट तक है वो परिवार कुल 80 हजार रुपये का अनुदान प्राप्त कर सकते हैं।

फिजियोथैरेपी सेंटर में जांच शिविर लगाया

नरवाना। शनिवार को नरवाना अग्रवाल वेलफेयर ट्रस्ट द्वारा संचालित नरवाना फिजियोथैरेपी सेंटर, भगत सिंह चौक, नरवाना में डा. मनुज वाधवा विश्व विख्यात ज्वाएन्ट रिपलेसमैन्ट सर्जन की टीम द्वारा प्रातः 10 बजे से दोपहर एक बजे तक घुटनों के संबंध में रोगियों की निशुल्क जांच कर इलाज हेतु उचित सलाह प्रदान की गई। मौके पर ट्रस्ट के उप प्रधान प्रदीप गुप्ता, मनोहर गर्ग सचिव, तरसेम बंसल कोषाध्यक्ष, अमित मित्तल, प्रभात मित्तल, डॉ. आर के सिंगला, सुरेश पप्पू पूर्व प्रधान नगर परिषद, टेकचन्द, तेजवंत गोयल ठेकेदार, अशोक बंसल रिटायर्ड एचसीएस, कुलदीप जैन दनौदा उपस्थित रहे।

आईटीआई में 15 जुलाई तक करें ट्रेड का चयन, कई संकाय में मारामारी

खास बातें

- 25 राजकीय और निजी आईटीआई में विभिन्न ट्रेड में 5244 सीट
- कई ट्रेड में 100 से ऊपर की रहेगी मेरिट लिस्ट

जींद। जींद राजकीय आईटीआई, जहां दाखिलों को लेकर मारामारी रहती है।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

कौशल विकास व औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग की ओर से आईटीआई में ट्रेड चयन का विकल्प शुरू करने के बाद विद्यार्थियों द्वारा लगातार आवेदन किए जा रहे हैं। विद्यार्थी 15 जुलाई तक पोर्टल पर जाकर अपनी पसंदीदा ट्रेड का चयन कर सकते हैं। आवेदन की अंतिम 15 से बढ़ा कर 30 जून तक कर दिया गया था। पहले चरण में केवल आवेदन प्रक्रिया चली थी, इसके बाद दूसरे चरण में विद्यार्थियों को ट्रेड चुनने का विकल्प मिला है। कौशल विकास एवं औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए प्रदेशभर के राजकीय आईटीआई संस्थानों में दो जून से आनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू की थी। वहीं आईटीआई में दाखिले को लेकर इस बार मारामारी रहने की संभावना है। इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि तीन जुलाई को जहां कैथल रोड स्थित राजकीय आईटीआई में कुल 263 आवेदन आए थे, अब आवेदनों की संख्या 1700 पार कर चुकी है। इस बार 10वीं कक्षा में दोनों बोर्ड से 15 हजार से अधिक विद्यार्थी पास हो चुके हैं। जबकि जिलेभर की 25 राजकीय और निजी आईटीआई में विभिन्न ट्रेड में 5244 सीट हैं। इसमें से नौ राजकीय आईटीआई में 2688 और 16 निजी आईटीआई में 2556 सीट हैं। ऐसे में जिलेभर की आईटीआई में दाखिले को लेकर मारामारी रहेगी। विद्यार्थियों की सबसे पहली पसंद जींद में कैथल रोड स्थित राजकीय आईटीआई रहती है। यहां आवेदन के समय कई ट्रेड में 100 से ऊपर मेरिट लिस्ट रहती है। वहीं राजकीय आईटीआई में निर्धारित सीटों पर तीन से चार गुना आवेदन भी आते हैं।

कैथल रोड आईटीआई में आए आवेदनों का ब्योरा

कैथल रोड स्थित राजकीय आइटीआइ में दो दिन में 2709 आवेदन आ चुके हैं। इसमें से इलेक्ट्रिशियन ट्रेड में 439, वायरमैन में 201, कोपा में 157, फीटर में 166, आरएसी में 85, मैकेनिक डीजल में 106, स्टेनो इंग्लिश में 82, प्लंबर में 56, इलेक्ट्रानिक्स मैकेनिक में 77, ड्राफ्ट्समैन सिविल में 55, टीपीईएस में 21, मैकेनिक मोटर व्हीकल में 73, टर्नर में 34र मशिनिस्ट में 33, वुड वर्क टैक्नीशियन 14, मैकेनिक डीजल ड्यूल एच में नौ, मैकेनिक ट्रैक्टर में 30, ड्रेस मेकिंग में 11, ड्राफ्ट्समैन मैकेनिक में 24, वेल्डर ड्यूल एच में 25 व स्वींग टैक्नोलाजी में 11 आवेदन आए हैं।

लगातार बढ़ रही आवेदनों की संख्या

राजकीय आईटीआई के प्राचार्य नरेश कुमार ने बताया कि विद्यार्थियों को चाहिए कि समय रहते ट्रेड का चयन करें। जैसे ही मेरिट लिस्ट को लेकर कोई शेड्यूल आता है तो विद्यार्थियों को अवगम करवा दिया जाएगा। ट्रेड चयन का विकल्प खुलने के बाद राजकीय आइटीआइ में विद्यार्थी लगातार अपनी पसंदीदा ट्रेड का चयन कर रहे हैं। दो दिन में आवेदनों की संख्या 1700 को पार कर चुकी है। विभाग ने सभी आवश्यक जानकारीए संस्थानों की सूची और सीटों का विवरण अपनी वेबसाइट पर उपलब्ध कर दिया है।

जींद शहर के कुछ हिस्से में बारिश तो कुछ हिस्सा रहा बूंदों से अछूता

बारिश के बाद मौसम में बनी जबरदस्त उमस व गर्मी ने लोगों को किया बेहाल

किसानों को अच्छी बारिश की दरकार, धान रोपाई ने पकड़ी रफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

शनिवार दोपहर बाद शहर तथा आसपास के इलाकों में हुई बारिश के बाद भी गर्मी तथा उमस से कोई राहत नहीं मिली। आकाश में बादल छाए भी छाए रहे, बावजूद इसके मौसम में जबरदस्त उमस भी बनी रही। जिसने लोगों को बेहाल कर दिया। हालांकि तापमान में हल्की गिरावट भी दर्ज की गई। शनिवार को अधिकतम तापमान 35 डिग्री तथा न्यूनतम तापमान 30 डिग्री दर्ज किया गया। मौसम में आर्द्रता 60 प्रतिशत तथा हवा की गति पांच किलोमीटर प्रति घंटा दर्ज की गई। मौसम विभाग के अनुसार मानसून दस्तक दे चुका है। आठ जुलाई तक बारिश की संभावना बन रही है।

शनिवार को दिन का आगाज आकाश में छाए बादलों के बीच झांकते सूरज के साथ हुआ। दिन चढ़ने के साथ बादल हल्के हो गए। दोपहर को मौसम ने तेजी से करवट ली और आकाश में गहरे बादल छा गए। जिसके साथ बारिश भी शुरू हो गई। हालांकि बारिश ज्यादा देर तक नहीं हुई। जिला मुख्यालय की तरफ शहर के भी कुछ ही हिस्सों में बारिश हुई। जिसके बाद मौसम में जबरदस्त उमस बन गई। हवा की गति भी काफी कम रही। जिससे लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

जींद। बारिश के बीच गुजरते वाहन।

परीक्षा केंद्र के बाहर गर्मी से जूझते पुलिस कर्मचारी। *फोटो : हरिभूमि*

आठ जुलाई तक बारिश की संभावना

मानसून दस्तक दे चुका है। तीन से दिन से आकाश मे बादल भी छा रहे हैं। मौसम सुहाना होने की बजाय, उमस भरा हुआ है। किसान धान की रोपाई के लिए बेसब्री से बारिश का इंतजार कर रहे हैं। अभी तक जिले मे महज 80 हजार हैक्टेयर में धान की रोपाई हो पाई है। जबकि जिले में अढाई लाख से ज्यादा हैक्टयर में धान की रोपाई होनी है। बारिश ने होने के कारण तथा मौसम में बनी उमस ने भी किसानों को परेशान किया हुआ है। किसान बारिश का बेसब्री से इतजार कर रहे है। पांडू पिंडारा मौसम विज्ञान केंद्र के मौसम वैज्ञानिक डा. राजेश ने बताया कि मानसून एक्टिवेट हो चुका है। आठ जुलाई तक बारिश की संभावना है। किसान धान रोपाई को लेकर अपने खेतों का तैयार रखें।

मौसम में बदलाव के बीच बढ़ी गर्मी और उमस

राजौंद। क्षेत्र में इन दिनों मौसम के बदलते मिजाज के चलते गर्मी और उमस ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। पिछले दो दिनों में मौसम में बदलाव जरूर आया है, लेकिन इसके बावजूद गर्मी कम होने के बजाय और अधिक महसूस की जा रही है। दिन में तेज धूप और हल्की गर्म हवाओं के कारण तापमान करीब 38 डिग्री सेल्सियस के आसपास बना हुआ है, जबकि हवा में नमी बढ़ने से उमस काफी ज्यादा हो गई है। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि बरसात नहीं होने और वातावरण में नमी बढ़ने के कारण यह स्थिति बनी हुई है। यही वजह है कि तापमान सामान्य के आसपास होने के बावजूद भी लोगों को अधिक गर्मी का एहसास हो रहा है। दोपहर के समय हालात सबसे ज्यादा खराब रहते हैं, जिससे बाजारों में भी लोगों की आवाजाही कम हो गई है। खेतों में काम कर रहे किसानों और मजदूरों को उमस भरी गर्मी के कारण भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

आयुक्त ने किया जल निकासी का निरीक्षण

जिला आयुक्त कपिल शर्मा जलनिकासी व्यवस्था का जायजा लेने पहुंचे।

कैथल। बरसात के मौसम में शहर में जलभराव की समस्या से बचाव एवं यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के उद्देश्य से जिला आयुक्त कपिल शर्मा ने आज कैथल शहर के अंबाला रोड, छात्रावास रोड एवं पाड़ला रोड का दौरा कर नालों की सफाई एवं जल निकासी व्यवस्था का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिला आयुक्त ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि नालों की सफाई का कार्य तेजी एवं गुणवत्ता के साथ पूरा किया जाए, ताकि वर्षा के दौरान कहीं भी जलभराव की स्थिति उत्पन्न न हो। उन्होंने नालों पर किए गए अवैध कब्जों को हटाने के निर्देश देते हुए कहा कि इससे नगर परिषद के कर्मचारियों को सफाई कार्य करने में सुविधा होगी और जल निकासी सुचारु बनी रहेगी। छात्रावास रोड का निरीक्षण करते हुए जिला आयुक्त ने सड़क के बीच एवं किनारों पर किए गए अतिक्रमण को शीघ्र हटाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अतिक्रमण हटने से सड़क पर लगने वाले जाम से लोगों को राहत मिलेगी, यातायात सुचारु रहेगा तथा आमजन को बेहतर आवागमन की सुविधा मिलेगी। जिला आयुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि बरसात के मौसम को देखते हुए शहर की जल निकासी व्यवस्था पर विशेष निगरानी रखी जाए तथा जहां भी आवश्यकता हो, तुरंत आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। इस अवसर पर नगर परिषद के कार्यकारी अधिकारी संदीप सोलंकी, म्यूनिसिपल इंजीनियर वरुण शर्मा, जेई संदीप धीमान, जेई संजीव धीमान तथा जेई आशीष नैन उपस्थित रहे।

न्यूज डायरी

गुलियाणा में जनसमस्याओं पर किया मंथन

राजौंद। गांव गुलियाणा में कांग्रेस के जिला उपाध्यक्ष सुनील कुंडू की अध्यक्षता में एक अहम बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें क्षेत्र से जुड़े विभिन्न जनहित मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में ग्रामीणों ने अपनी समस्याएं रखते हुए मुख्य रूप से खराब सड़कों, पेयजल की कमी, सफाई व्यवस्था और बिजली संबंधी परेशानियों का मुद्दा उठाया। उपस्थित लोगों ने कहा कि लंबे समय से ये समस्याएं बनी हुई हैं, लेकिन समाधान की दिशा में ठोस कदम नहीं उठाए गए हैं।जिला प्रधान सुनील कुंडू ने ग्रामीणों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए आश्वासन दिया कि इन मुद्दों को संबंधित विभागों और उच्च स्तर तक मजबूती से उठाया जाएगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा आम जनता की आवाज बनकर काम करती रही है और आगे भी लोगों के हक के लिए संघर्ष जारी रहेगा।

बस सुविधा के अभाव में छात्राएं पैदल जाने को मजबूर

राजौंद। खंड के गांव फरियाबाद में बस सुविधा न होने के कारण छात्राओं को रोजाना स्कूल आने-जाने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। शनिवार को तपती दोपहर में छात्राओं ने अपनी समस्या बताते हुए कहा कि उन्हें करीब 2 से ढाई किलोमीटर तक पैदल चलकर राजौंद–पूंडरी मार्ग पर पहुंचना पड़ता है, जहां वे बस का इंतजार करती हैं। कई बार उन्हें निजी बस चालकों के सहारे ही सफर करना पड़ता है, जिससे समय और सुरक्षा दोनों की चिंता बनी रहती है। छात्राओं ने कहा कि सरकार द्वारा "बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ" योजना का व्यापक प्रचार किया जाता है, लेकिन जमीनी स्तर पर सुविधाओं का अभाव साफ दिखाई देता है। गांव से स्कूल तक कोई नियमित परिवहन व्यवस्था नहीं होने के कारण उनकी पढ़ाई प्रभावित हो रही है। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि कम से कम स्कूल समय के अनुसार बस सेवा शुरू की जाए।

अपने ही वोट के लिए दर-दर भटक रहा नरेश मित्तल

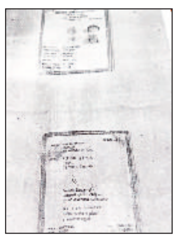

नरवाना। नरेश कुमार पुत्र कली राम वार्ड नं 13, बीरबल नगर का रहने वाला है जिसका वोटर आईडी कार्ड बी एफ जी 1041052 है जो 1-1-2002 से नरवाना में बना हुआ है। नरेश कुमार ने बताया कि वो नरवाना का स्थाई निवासी हैं और पिछले लोकसभा 2024 में नरवाना में ही उसका वोट डाला था,अब एस आई आर के सर्वे के दौरान वो उसके एरिया के बी एल ओ से मिला तो उन्होंने बताया कि उसका वोट लिस्ट में नहीं है और जांच कर बताया कि उसका वोट नजफगढ़ दिल्ली में शिफ्ट हो गया है जब नरेश ने बीएलओ से पूछा कि आपने मेरा वोट शिफ्ट किया है क्या, तो बीएलओ ने बताया कि वो तो अभी आया है उसको नहीं मालूम किसने उसका वोट नजफगढ़ दिल्ली शिफ्ट किया है।इसके बारे में जब नरेश उपमंडल अधिकारी नागरिक से समाधान शिविर मिला में और अपनी समस्या रखी तो एसडीएम ने किसी अन्य कर्मचारी से मामले की जांच के लिए बोला है, देखते हैं क्या होता है। नरेश कुमार ने बताया कि इस मामले को लेकर सभी अधिकारियों से मिल चुका है।

एसी बसों में रोडवेज कर्मी बिना टिकट नहीं जा सकेंगे

जींद। एसी बसों में कोई भी रोडवेज अधिकारी या कर्मचारी बिना टिकट यात्रा नहीं कर पाएंगे। इसके लिए मुख्यालय ने प्रदेश के सभी महाप्रबंधकों को पत्र जारी कर निर्देश दिए हैं। जींद डिपो में इस समय 10 एसी बस हैं, जो गुरुग्राम व चंडीगढ़ जैसे रूटों पर चल रही है।एसी बसों में साधारण रोडवेज बसों की अपेक्षा भी किराया ज्यादा होता है। रोडवेज मुख्यालय की ओर से जारी पत्र में महाप्रबंधक को निर्देश दिए गए हैं कि राज्य परिवहन हरियाणा का कोई भी अधिकारी या कर्मचारी बिना टिकट के एसी बसों में यात्रा नहीं करेगा। कार्यालय के संज्ञान में आया है कि अभी भी राज्य परिवहन हरियाणा के अधिकारी या कर्मचारी इन बसों में बिना टिकट लिए यात्रा कर रहे हैं। जो मुख्यालय के निर्देशों का उल्लंघन है। इसलिए आपको पुनः निर्देश दिए जाते हैं कि राज्य परिवहन हरियाणा की एसी बसों मे रियायती या निशुल्क श्रेणी को छोड़ कर अन्य कोई को भी हरियाणा रोडवेज का अधिकारी या कर्मचारी मुफ्त यात्रा का पात्र नहीं है। यदि कोई भी अधिकारी या कर्मचारी इन बसों में बिना टिकट के यात्रा करते पाया जाता है तो इसे मुख्यालय के निर्देशों की उल्लंघना माना जाएगा और विभागीय कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। जींद डिपो में दस एसी बस हैं, इसमें से दो बस सफीदों व एक बस नरवाना उपकेंद्र में है, जबकि सात बस जींद मुख्यालय पर हैं। यात्रियों की सुविधा के लिए पिछले साल 15 अगस्त के बाद डिपो में दस एसी बस आई थीए जिन्हें यात्रियों की सुविधा के लिए लंबे रूटों पर चलाया जा रहा है।

प्रत्येक कार्यकर्ता डिजिटल साक्षर बनें

भाजपा का संगठन बूथ स्तर की मजबूती पर आधारित : विजेंद्र मैहला

ढांड। भाजपा मंडल अध्यक्ष एवं चेयरमैन विजेंद्र मैहला जडौला शक्ति केंद्र प्रमुख व बूथ अध्यक्षों से संवाद करते हुए। *फोटो : हरिभूमि*

हरिभूमि न्यूज ▶▶| ढांड

भारतीय जनता पार्टी के ढांड मंडल द्वारा संगठन को और अधिक मजबूत बनाने के उद्देश्य से शक्ति केंद्र प्रमुखों की एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता भाजपा ढांड मंडल अध्यक्ष एवं ढांड मार्केट कमेटी के चेयरमैन विजेंद्र मैहला जडौला ने की। बैठक में संगठनात्मक गतिविधियों को गति देने, डिजिटल माध्यमों से कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित करने तथा आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक के दौरान शक्ति केंद्र प्रमुखों व बूथ अध्यक्षों को डिजिटल लर्निंग कोर्स के माध्यम से भाजपा की विचारधारा, संगठन की रीति-नीति, कार्यपद्धति तथा जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। चेयरमैन विजेंद्र जडौला ने कहा कि बदलते समय के साथ संगठनात्मक कार्यों में तकनीक की भूमिका लगातार बढ़ रही है। ऐसे में प्रत्येक कार्यकर्ता का डिजिटल रूप से प्रशिक्षित होना आवश्यक है, ताकि वह पार्टी की नीतियों और कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से आमजन तक पहुंचा सके। भाजपा नेता विजेंद्र मैहला ने बैठक में विशेष रूप से एसआईआर से संबंधित आवश्यक जानकारी भी साझा की गई तथा शक्ति केंद्र प्रमुखों को मतदाता जागरूकता और संगठनात्मक गतिविधियों को सक्रिय रूप से आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया गया।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर भाजपा महामंत्री रमेश, ईश्वर सिंह, मंडल उपाध्यक्ष कृष श्योकंद जाजनपुर, राजपाल पबनावा, मामू राम चुहड़माजरा, कृष्ण चौहान ढांड, राजीव टाया साकरा, शिव कुमार आहूं सहित विभिन्न शक्ति केंद्रों के प्रमुख एवं अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

बडनपुर में ठेकेदार की लापरवाही बारिश के बाद सड़कों पर भरा पानी

जींद। ठेकेदार की गलती का खामियाजा भुगत रहे ग्रामीण।

नरवाना। गांव बडनपुर में चली आ रही गंदे पानी की निकासी की समस्या गंभीर हो गई है। सतीश श्योकंद ने बताया कि ठेकेदार द्वारा जो काम 12 दिन में किया जाना था, दो महीने बीत जाने के बाद भी अधूरा पड़ा है जिसके कारण गांव की मुख्य गलियों, तीनों स्कूलों, नरवाना बडनपुर सड़क, नायक, वर्मा, जांगडा, सैन, जाट, पंडित आदि बस्तियों में गंदा पानी खड़ा हो गया है। जिसके कारण ग्रामीणों में भारी रोष है। पूर्व सरपंच डॉ0 जोगिन्द्र श्योकंद ने बताया कि बुधवार को एडीसी जीन्द प्रदीप कुमार गांव में मौका देखने आए थे। उनके साथ पंचायती राज उचाना, जनस्वास्थ्य विभाग नरवाना, सिंचाई विभाग नरवाना के अधिकारी भी साथ आए थे। एडीसी जीन्द ने इस कार्य को शीघ्र पूरा करने के सख्त आदेश दिए व सभी कर्मचारियों व अधिकारियों को फटकार लगाई कि 15 दिनों में कार्य में इतनी देरी क्यों हो रही है। इसके बावजूद भी ठेकेदार, कर्मचारी व अधिकारी की स्थिति में कोई बदलाव नहीं हुआ। ग्रामीणों ने बताया कि एडीसी ने नया तालाब में पाईप लाईन बिछाने के लिए 45 दिनों का समय दिया है और जल्द से जल्द गंदे पानी की समस्या का समाधान करने के आदेश दिए हैं। लेकिन यदि यही रवैया रहा तो यह कार्य कई महीनों में पूरा होगा।

वेदांता स्कूल में कुक विदाउट फायर में दिखा बच्चों का हुनर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नरवाना

विद्यार्थियों में स्वस्थ जीवनशैली, रचनात्मकता एवं आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से वेदांता इंटरनेशनल स्कूल, कलौदा खुर्द में शनिवार को कक्षा 6 से 8 के विद्यार्थियों के लिए कुक विदाउट फायर प्रतियोगिता का भव्य एवं उत्साहपूर्ण आयोजन विद्यालय के एक्टिविटी हॉल में किया गया। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने बिना आग का प्रयोग किए स्वादिष्ट, पौष्टिक एवं आकर्षक व्यंजन तैयार कर अपनी पाक-कला, सृजनात्मकता और प्रस्तुतीकरण कौशल का शानदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने रंग-बिरंगे फ्रूट सलाद, हेल्दी सैंडविच, स्प्राउट्स चाट, कॉर्न चाट, दही आधारित व्यंजन, पौष्टिक स्नैक्स एवं अन्य कई आकर्षक व्यंजन तैयार किए। सकार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय की प्रधानाचार्या वीणा डारा के प्रेरणादायी संदेश के साथ हुआ। निर्णायक की भूमिका राजरानी एवं अंजू शर्मा ने निभाई। उन्होंने विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना करते हुए निष्पक्ष एवं सूक्ष्म मूल्यांकन किया। विद्यालय के निदेशक इंजीनियर प्रदीप नैन ने विद्यार्थियों की प्रतिभा और उत्साह की सराहना की। प्रतियोगिता में जसवीन, शिक्षा, मानवी, दीक्षा, गौरव, कशिश, वर्षा, आंचल एवं नियति सहित अनेक विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विजेता स्थान प्राप्त किए। सभी प्रतिभागियों ने अपनी कल्पनाशीलता और नवाचार से प्रतियोगिता को यादगार बना दिया। कार्यक्रम का समापन विजेता विद्यार्थियों के सम्मान एवं सभी प्रतिभागियों के उत्साहवर्धन के साथ हुआ।

जींद। कार्यक्रम में भाग लेते हुए बच्चे।

स्वास्थ्य सेवाएं महानिदेशक का 30 जून तक का दिया समय हुआ खत्म

8 माह बाद भी नागरिक अस्पताल के जीर्णोद्धार का कार्य पूरा नहीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जिला मुख्यालय स्थित नागरिक अस्पताल में पिछले आठ आठ महीने से रेनोवेशन का कार्य चला हुआ है लेकिन यह पूरा होने का नाम नही ले रहा है। स्वास्थ्य सेवाएं महानिदेशक ने एक महीना पहले आनलाइन बैठक लेकर 30 जून तक कार्य पूरा करने के निर्देश दिए थे लेकिन आज भी काम अधूरा है। इससे अस्पताल प्रशासन व मरीजों को परेशानी हो रही है।

आज तक अस्पताल को फायर सेफ्टी की एनओसी भी नहीं मिली है। स्वास्थ्य विभाग कई बार पीडब्ल्यूडी को इसके लिए पत्र लिख चुका है। नागरिक अस्पताल में अक्टूबर महीने में ही लगभग 11 करोड़ रुपये की राशि से नागरिक अस्पताल के जीर्णोद्धार का कार्य शुरू हो गया था। नागरिक अस्पताल की इमरजेंसी से लेकर वार्डों तक की दशा सुधारी कई। अस्पताल के फर्श को भी दोबारा लगाया। इसके अलावा जर्जर हो रही बिल्डिंग को नया लुक देने के लिए सीट लगाई गई। अब बाहर से तो अस्पताल किसी होटल से कम नजर नहीं आता लेकिन अंदर सुविधाओं के नाम पर काफी खामियां हैं। अस्पताल के अंदर चल रहे कार्य के कारण अब भी अंदर धूल उड़ जाती है। वहीं शव गृह का कार्य भी अधूरा पड़ा।

इसके अलावा चाहरदीवारी का कार्य भी अधूरा है। इस चाहरदीवारी पर कंटीली तार लगाई जानी हैं ताकि कोई व्यक्ति दीवार नहीं लांघ सके। वही अस्पताल के अंदर कूड़ा डालने के लिए डंपिंग प्वाइंट भी बनाया जाना हैए जिसका कार्य अभी तक पूरा नहीं हो पाया है। ऐसे में अस्पताल का कार्य जुलाई महीने में भी पूरा होता नजर नहीं आ रहा।

जींद। नागरिक अस्पताल में जगह-जगह पड़ा मलबा। *फोटो :हरिभूमि*

जल्द ही काम हो जाएगा पूरा : जेई

पीडब्ल्यूडी विभाग के जेई सोहन ने बताया कि अस्पताल का काफी काम था, इसे जल्द से जल्द पूरा करने की शुरु से ही कोशिश की गई है। अस्पताल के जीर्णोद्धार का कार्य लगभग पूरा होने को है। जल्द ही यह पूरा हो जाएगा और स्वास्थ्य विभाग को हैंडओवर कर दिया जाएगा।

पीडब्ल्यूडी को लिखा पत्र

नागरिक अस्पताल के प्रधान चिकित्सा अधिकारी डा. रघुवीर पूनिया ने बताया कि अभी तक काम पूरा नहीं हुआ है। इसकी रिपोर्ट बनाकर स्वास्थ्य सेवाएं महानिदेशक को भेज दी गई है। इसके अलावा पीडब्ल्यूडी को भी पत्र लिखा गया है। अस्पताल का अभी भी काफी काम बाकी है। स्वास्थ्य सेवाएं महानिदेशक ने 30 जून तक काम पूरा करने के निर्देश दिए थे। उम्मीद है कि आगामी कुछ दिनों में जल्द रेनोवेशन का कार्य पूरा होगा।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हुड्डा कॉम्पलेक्स, डी.आर.डी.ए. के सामने, जीन्द
हरिभूमि कार्यालय, करनाल रोड, जाट स्टेडियम के सामने, कैथल
फोन : 8295157800, 8814999186, 8814999166, 9253681005

क्या कभी हो पाएगी एलियन से मुलाकात !

क्या एलियन कभी पृथ्वी पर आएंगे? क्या उनसे हमारी मुलाकात हो पाएगी? इस सवाल का फिलहाल कोई सीधा 'हां' या 'ना' में जवाब देना मुश्किल है। एलियंस का धरती पर आना भले ही अभी विज्ञान कथाओं की तरह लगता हो, लेकिन वैज्ञानिक प्रयासों से भविष्य में, असंभव सा लगने वाला कुछ भी संभव हो सकता है।

कवर स्टोरी
शिखर चंद जैन

रात के समय जब हम आसमान में टिमटिमाते हुए तारों को देखते हैं, तो हमारे मन में एक सवाल बार-बार उठता है, 'क्या इस विशाल ब्रह्मांड में हम अकेले हैं?' या फिर किसी दूर के ग्रह पर हमारे जैसे ही या हमसे भी ज्यादा समझदार जीव रहते हैं? इन्हीं बाहरी दुनिया के जीवों को हम 'एलियन' या 'एक्स्ट्राटेरेस्ट्रियल' कहते हैं। गणितीय संभावनाओं को देखें तो ब्रह्मांड में कहीं न कहीं जीवन जरूर होना चाहिए। लेकिन अंतरिक्ष की असीम दूरियों को देखते हुए, उनका हमारे पास आना या हमारा उन तक पहुंचना बहुत ही कठिन काम है। वैज्ञानिकों का मानना है कि आने वाले कुछ दशकों में, जैसे-जैसे हमारी तकनीक और बेहतर होगी, हम शायद सौर मंडल के किसी चांद या बाहरी ग्रह पर जीवन के छोटे अंश (जैसे बैक्टीरिया) खोजने में सफल हो जाएंगे।

क्यों बरकरार है संभावना

वैज्ञानिकों के अनुसार, हमारे ब्रह्मांड में अरबों आकाशगंगाएं हैं और हर आकाशगंगा में खरबों तारे और ग्रह हैं। इतनी बड़ी जगह में सिर्फ हमारी पृथ्वी पर ही जीवन हो, ऐसा होना थोड़ा मुश्किल लगता है। इसलिए लगता है कि इस यूनिवर्स में कोई न कोई दूसरी दुनिया हो सकती है। खगोल वैज्ञानिक भी इस विषय पर यही सोचते हैं। इसीलिए वे सालों से एलियंस की खोज कर रहे हैं।

क्या एलियन पृथ्वी पर आएंगे!

हालांकि आम लोगों का मानना है कि कभी न कभी एलियन पृथ्वी पर आए होंगे या आएंगे। लेकिन वैज्ञानिक इस सवाल का जवाब तर्क के आधार पर खोजते हैं। एलियन पृथ्वी पर क्यों आना चाहेंगे? इसके वे कई तर्क देते हैं-

नए घर की खोज: जैसे हमारे वैज्ञानिक मंगल ग्रह पर जीवन तलाश रहे हैं, वैसे ही एलियन भी अपने रहने के लिए एक नए और सुरक्षित ग्रह की तलाश में पृथ्वी पर आ सकते हैं।

संसाधनों की तलाश: अगर उनके अपने ग्रह के प्राकृतिक संसाधन जैसे पानी, खनिज या ऊर्जा आदि खत्म हो गए हों, तो वे पृथ्वी के संसाधनों का उपयोग करने के लिए यहां का रुख कर सकते हैं।

जिज्ञासा और शोध: हो सकता है कि एलियन भी हमारी पृथ्वी के वैज्ञानिकों की तरह खोजी स्वभाव के हों। वे ब्रह्मांड के दूसरे जीवों यानी हम इंसानों के बारे में जानने और हमसे दोस्ती करने के लिए हमारे पास आ सकते हैं।

तकनीकी श्रेष्ठता: अगर कोई सभ्यता हमसे लाखों साल पुरानी है, तो उनके पास ऐसे स्पेसशिप हो सकते हैं जो रोशनी की रफ्तार से भी तेज चल सकें। ऐसी तकनीक होने पर उनके लिए पृथ्वी तक आना बहुत आसान होगा।

इसके विपरीत एलियन का आना क्यों मुश्किल है, इसके भी कुछ तर्क देते हैं-

अत्यधिक दूरी: ब्रह्मांड इतना बड़ा है कि हमारे सबसे करीबी तारे प्रॉक्सिमा सेंचुरी तक पहुंचने में भी आज की तकनीक से हजारों साल लग जाएंगे। एलियंस के लिए भी इतनी लंबी दूरी तय करना एक बड़ी चुनौती होगी।

समय का चक्र: हो सकता है कि ब्रह्मांड के किसी कोने में एलियन रहे हों, लेकिन वे इंसानों के पैदा होने से करोड़ों साल पहले ही खत्म हो चुके हों, या फिर वे तब आएंगे, जब इंसान धरती से गायब हो चुके होंगे।

संवाद की कमी: हमारी भाषा, रेडियो सिग्नल और सोचने का तरीका उनसे बिल्कुल अलग हो सकता है। मुमकिन है कि वे हमारे सिग्नलों को समझ ही न पा रहे हों।

वैज्ञानिक शोध और प्रयास

वैज्ञानिकों ने एलियंस को ढूंढ़ने और उनसे संपर्क करने के लिए कई प्रयास किए हैं।

सेटी प्रोजेक्ट: सर्च फॉर एक्स्ट्रा टेरेस्ट्रियल इंटेलिजेंस, दुनिया का सबसे बड़ा संगठन है, जो अंतरिक्ष से आने वाले रहस्यमयी सिग्नलों पर नजर रखता है। वैज्ञानिक बड़े-बड़े रेडियो टेलीस्कोप का इस्तेमाल करके आसमान से आने वाली आवाजों और तरंगों को सुनते हैं, ताकि एलियंस का कोई संदेश पकड़ा जा सके।

वोयाजर के गोल्डन रिकॉर्ड्स: साल 1977 में नासा ने अंतरिक्ष में दो स्पेसक्राफ्ट भेजे थे, जिनका नाम 'वोयाजर 1' और 'वोयाजर 2' है। इन स्पेसशिप में एक तांबे की बनी सीडी जैसी 'गोल्डन डिस्क' रखी गई है। इस डिस्क में पृथ्वी की आवाजें, संगीत, 55 भाषाओं में नमस्कार और हमारे ग्रह का नक्शा दर्ज है, ताकि अगर कभी यह किसी एलियन को मिले, तो वे हमारे बारे में जान सकें।

यूएफओ और यूएपी की जांच: दुनिया भर में कई बार आसमान में उड़ने वाली अजीबो-गरीब चीजों जैसे उड़न तश्तरी को देखने का दावा किया गया है। अब अमेरिकी सरकार और नासा जैसी एजेंसियां इन्हें 'यूएपी' (अनआइडेंटिफाइड एनोमैलुअस फैनोमेना) कहकर इन पर आधिकारिक रिसर्च कर रही हैं, ताकि यह साफ हो सके कि ये एलियंस के यान हैं या कोई प्राकृतिक घटना।

बहरहाल, भविष्य में कभी दूसरे ग्रह के वासियों एलियंस से पृथ्वीवासियों की कभी मुलाकात हो पाएगी या नहीं यह तो अभी नहीं कहा जा सकता लेकिन दुनिया भर के वैज्ञानिक इस कोशिश में हर संभव प्रयास कर रहे हैं। *

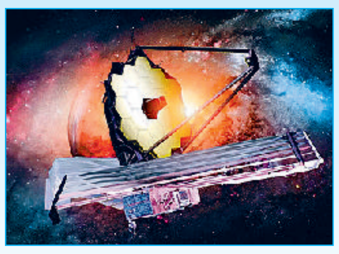

केपलर-जेम्स वेब टेलीस्कोप

नासा के इन आधुनिक टेलीस्कोपों का काम अंतरिक्ष में 'एक्सोप्लैनेट्स' यानी हमारे सौर मंडल से बाहर के ग्रह को खोजना है। वैज्ञानिकों ने अब तक हजारों ऐसे ग्रह खोजे हैं, जो 'गोल्डीलॉक्स जोन' में हैं। इसका मतलब है कि ये ग्रह अपने तारे से न तो बहुत ज्यादा गर्म हैं और न ही बहुत ज्यादा ठंडे, जहां पृथ्वी की तरह पानी और जीवन मौजूद हो सकता है। इसमें जीवन की संभावना भी हो सकती है।

मार्स मिशन

हमारे सबसे नजदीकी ग्रह मंगल पर पानी और जीवन के निशान खोजने के लिए भारत का 'मंगलयान', नासा के 'परसवेरेंस' रोवर जैसे कई मिशन भेजे गए हैं। इनके जरिए वैज्ञानिक मंगल ग्रह पर सूक्ष्मजीवों के जीवाश्म ढूंढ़ रहे हैं, जो अंतरिक्ष वासी एलियन या जीवन का पहला ठोस सबूत हो सकते हैं।

चिंताजनक है लगातार बढ़ता अंतरिक्ष में वेस्ट मैटर

जिस तरह से हम सबने अपनी पृथ्वी पर प्रदूषक वस्तुओं और कूड़े-कचरे का अंबार लगा रखा है, कुछ ऐसा ही हाल अंतरिक्ष का भी होता जा रहा है। स्पेस में स्पेसक्राफ्ट, एस्ट्रोनॉट्स और सैटेलाइट्स का वेस्ट मैटर भविष्य में गंभीर समस्या पैदा कर सकता है।

स्पेस इश्यू
अंजू जैन

जब हम रात में आसमान की तरफ देखते हैं, तो हमें टिमटिमाते तारे, चंद्रमा और कभी-कभी गुजरते हुए सैटेलाइट्स (उपग्रह) दिखाई देते हैं। यह नजारा बेहद जादुई लगता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि हमारे इस खूबसूरत अंतरिक्ष में एक बहुत बड़ी मुसीबत धीरे-धीरे पैर पसार रही है? इस मुसीबत का नाम है-'अंतरिक्ष का कचरा' या 'स्पेस डेब्री'।

क्या है स्पेस डेब्री: जैसे हम अपनी पृथ्वी पर प्लास्टिक, रैपर्स और खराब सामान फेंककर इसे गंदा कर रहे हैं, ठीक वैसे ही इंसानों ने अंतरिक्ष को भी कबाड़खाना बनाना शुरू कर दिया है। अंतरिक्ष कचरा या स्पेस जंक उन सभी मानव-निर्मित बेकार चीजों को कहते हैं, जो अब किसी काम की नहीं रहीं और पृथ्वी के चारों ओर अंतरिक्ष में चक्कर काट रही हैं। इस कचरे में बेकार हो चुके पुराने सैटेलाइट्स, रॉकेट्स के छूटे हुए टुकड़े, अंतरिक्ष यात्रियों के हाथ से छूटे हुए औजार (जैसे स्क्रू-ड्राइवर, ग्लव्स) और सैटेलाइट्स के आपस में टकराने से बने करोड़ों छोटे-छोटे टुकड़े शामिल हैं। वैज्ञानिकों के अनुमान के अनुसार, इस समय अंतरिक्ष में लाखों छोटे-बड़े टुकड़े तैर रहे हैं, जो एक बड़े खतरे की घंटी हैं।

स्पेस डेब्री में शामिल चीजें: स्पेस डेब्री में बहुत कुछ हो सकता है। जैसे-जब किसी उपग्रह का जीवनकाल खत्म हो जाता है या उसका ईंधन समाप्त हो जाता है, तो वह वहीं अंतरिक्ष में निष्क्रिय होकर घूमने लगता है। उपग्रहों को अंतरिक्ष में छोड़ने के बाद रॉकेट के निचले और ऊपरी हिस्से अलग हो जाते हैं। ये हिस्से अंतरिक्ष में ही तैरते रह जाते हैं। जब दो सैटेलाइट्स आपस में टकराते हैं, तो उनके परखच्चे उड़ जाते हैं। एक टक्कर से हजारों नए छोटे-छोटे तीखे टुकड़े बन जाते हैं।

कुछ देश अपनी मिसाइल क्षमता को जांचने के लिए अंतरिक्ष में अपने ही पुराने सैटेलाइट को मिसाइल से उड़ा देते हैं। इससे पल भर में बेशुमार कचरा फैल जाता है।

स्पेस वेस्ट से संकट: अब आप सोच रहे होंगे कि अंतरिक्ष तो इतना विशाल है, फिर वहां थोड़े से कबाड़ से क्या फर्क पड़ता है? अंतरिक्ष हमारा भविष्य है। अगर आज हमने इसकी सफाई पर ध्यान नहीं दिया, तो आने वाली पीढ़ी के लिए ब्रह्मांड के रहस्य जानने के सारे रास्ते बंद हो जाएंगे। इसके कई खतरनाक परिणाम हो सकते हैं। अंतरिक्ष में ये टुकड़े धीरे-धीरे नहीं तैरते। इनकी रफ्तार बंदूक की गोली से भी 10 से 15 गुना तेज होती है, लगभग 28,000 किलोमीटर प्रति घंटा। इतनी रफ्तार में एक छोटा-सा पेंट का टुकड़ा या पेंच भी किसी सैटेलाइट से टकराए, तो उसे पूरी तरह तबाह कर सकता है। इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन में हमेशा हमारे वैज्ञानिक रहते हैं। यदि कोई बड़ा टुकड़ा स्पेस स्टेशन से टकरा जाए, तो वहां रहने वाले अंतरिक्ष यात्रियों की जान पर बन आ सकती है। उन्हें कई बार खुद को बचाने के लिए आपातकालीन कैप्सूल में छिपना पड़ता है।

हम मोबाइल के जरिए जो बात करते हैं, जीपीएस से रास्ता देखते हैं, टीवी देखते हैं और मौसम का पूर्वानुमान लगाते हैं, वे सब अंतरिक्ष में मौजूद सैटेलाइट्स की वजह से संभव होता है। अगर कचरे की वजह से ये सैटेलाइट्स नष्ट हो गए, तो हमारी पृथ्वी की आधुनिक लाइफलाइन एकदम रुक-सी जाएगी। अगर अंतरिक्ष में कचरा बहुत ज्यादा बढ़ गया, तो वे आपस में टकराकर और अधिक कचरा बनाएंगे। एक समय ऐसा आएगा कि पृथ्वी के चारों ओर कचरे की ऐसी घनी दीवार बन जाएगी कि इंसान कभी नया रॉकेट या सैटेलाइट अंतरिक्ष में भेज ही नहीं पाएगा। हम हमेशा के लिए पृथ्वी पर कैद हो जाएंगे।

निदान और समाधान: अंतरिक्ष में बढ़ रहे कचरे की इस समस्या के समाधान के लिए वैज्ञानिक लगातार प्रयास कर रहे हैं। दुनिया भर की स्पेस एजेंसियां जैसे भारत की इसरो, अमेरिका की नासा इस मलबे को साफ करने के लिए बेहद अनोखे तरीकों पर काम कर रही हैं। वैज्ञानिक ऐसे विशेष सैटेलाइट बना रहे हैं, जो अंतरिक्ष में जाकर बड़े मलबे पर जाल फेंकेंगे या हारपून (भाला) मारकर उसे पकड़ेंगे और खींचकर पृथ्वी के वायुमंडल की तरफ ले आएंगे।

कुछ जापानी कंपनियां ऐसे सैटेलाइट्स का परीक्षण कर रही हैं, जिनमें बहुत शक्तिशाली चुंबक लगे होंगे। ये चुंबक लोहे और धातु के मलबे को अपनी ओर आकर्षित करके चिपका लेंगे। इस तरह कई और तकनीकें अपनाई जा रही हैं। संभव है इसका स्थायी समाधान खोज लिया जाएगा। *

गजल
हबीब कैफी

चला गया कोई

उम्र अपनी बढ़ा गया कोई
नाम लेते ही आ गया कोई
मैंने थामा था हाथ कांटों में
फूल पाकर छुड़ा गया कोई
उसके सारे निशान जिंदा हैं
कैसे कह दूं चला गया कोई
इक तने पर लिखे थे बरसों से
नाम दोनों मिटा गया कोई
नींद यूं ही नहीं हुई गायब
तेरे किस्से सुना गया कोई
सिर्फ इक बात मैंने पूछी थी
बातें क्या-क्या सुना गया कोई
जिक्र जब भी वफा का आया है
सर झुका कर चला गया कोई

व्यंग्य / सूर्यकुमार पांडेय

महंगाई से मुलाकात

चाहने को हम भी बहुत कुछ चाहते हैं। हमारी पहली चाहत तो यह ही है कि अपने पास अकूत वैध संपत्ति हो। वैध इसलिए, क्योंकि बुल्डोजर से सबको डर लगता है। बड़े-बड़े मुर्गे हलाल हो गए, फिर भला इस पिद्दी के शोरबे की क्या ही औकात है? हमारी दूसरी चाहत है कि महंगाई नाम की चीज को अपने देश से धक्के मार कर बाहर निकाल देना चाहिए। अंतर्मन में कुछ ऐसी भी चाहतें हैं, जिन्हें सार्वजनिक कर दें तो जूते पड़ने लगेंगे। हमारे एक मित्र ने एक महिला को सिर्फ 'आइ लव यू' कहा था। एक वह दिन था और एक आज का दिन है, अस्पताल से लौटकर आया है और प्रत्येक महिला को बुआ-दीदी से नीचे नहीं बोलता है।

इंसान कामनाओं का कोष है। मनुष्य की इच्छाएं अनंत हैं। सबको फेसबुक-एक्स आदि के दरिया में डालकर अपनी भड़ास निकालने से अच्छा है कि भाग्यवादी बन जाओ। 'जाही विधि राखे राम, ताही विधि रहिए।' हम भी रह ही रहे हैं। घोर महंगाई की चपत खाकर भी हंस रहे हैं। यूं किसी के चाहने या न चाहने से क्या होता है? भला मैं भी कहां चाहता था, फिर भी आज महंगाई से मेरी मुलाकात हो ही गई। वैसे यह कोई नई बात नहीं है। पहले कभी-कभार भेंट होती थी। इन दिनों वह मुझसे रोज ही किसी-न-किसी बहाने मेरे घर पर मिलने आ जाया करती है। जब मैं घर से बाहर रहता हूं तो वह वहां पर भी मुझसे टकरा जाती है। बाजार जाऊं तो वहां भी मिल जाती है। सड़क पर चल रहा होता हूं, तब भी वह हमारा पीछा नहीं छोड़ती है। पत्नी कहती है, 'यह मुई मेरी सौत है। इसकी निगाह तुम्हारे शरीर के साथ तुम्हारी जेब पर भी रहती है।'

मैं अकसर यह महसूस करता हूं कि मेरी जेब में रखा हुआ पर्स भी जरूरत से ज्यादा दुबला हो चुका है। महंगाई डायन के प्रकोप के चलते 'चंद क्वॉइन' ही शेष बचे हुए हैं। गनीमत है कि वह पूरी तरह खाली नहीं हुआ है। शायद इसी दुबले पर्स पर महंगाई डाका डालने पर उतारू है। जिसके पास धन नहीं है, उसको न चोरी का डर सताता है और न रहजनी का। उसे एकमात्र डर सताता है तो महंगाई का।

मेरा प्रतिदिन महंगाई से इसी तरह मिलना होता रहा तो एक दिन इस गरीब की जान ही निकल जाएगी। आप जानते हैं कि गरीब की जान उसकी हलक में अटकी होती है। यह उस चिड़िया की तरह होती है, जिसे जब तक दाना-पानी मिलता रहता है, चहकती रहती है, जिस दिन मिलना बंद हो गया, फुर्र से उड़ जाती है। लोग यूं ही प्राण को पखेरू नहीं कहते हैं।

मैं इस नामाकूल महंगाई से कितना भी बचना चाहता हूं, लेकिन वह है कि हाथ धोकर मेरे गले पड़ती जा रही है। आज महंगाई फिर एक बार मुझसे मिलने आई है। वह आवश्यकता से अधिक मोटी दिख रही है। पिछली बार जब उससे मिलना हुआ था, तब भी वह मोटी ही थी, लेकिन इस बार उसके शरीर की चर्बी पर एक और परत चढ़ चुकी है। वैसे भी जो प्रतिदिन दूसरों की जेब पर डाका डालता हो, उसका मोटा हो जाना अचरज की बात नहीं है। मैं अपने आस-पास के ऐसे तमाम लोगों को जानता हूं, जो दूसरों को लूटते रहते हैं और मोटे हो जाते हैं। महंगाई भी पुष्ट हो रही है। वह मुझसे कहने लग गई, 'तुम मेरे नाम का रोना रोते रहते हो, मैंने सोचा आज एक बार और मिल लेती हूं! कहो, कैसे मिजाज हैं?' मैंने कहा, 'मिजाज की छोड़ो। तुमने हमें कहीं का नहीं छोड़ा है। तुम जिस अनुपात में मोटी होती चली जा रही हो, हम उसी अनुपात में दुबले हो रहे हैं। उधर तुम्हारी खुराक बढ़ती जा रही है, इधर हम अपने को किसी दिहाड़ी मजदूर की पगार जैसा बेबस पाते हैं।'

महंगाई जैसे आज विश्व हास्य दिवस मनाने के मूड में थी। वह पहले खूब हंसी, फिर मुझे छेड़ती हुई बोली, 'देख रही हूं। तुम्हारे पांवों में बेबसी के घुंघरू बंधे हुए है, फिर भी तुम ठुमक रहे हो। तुम जैसे बकरे को कहां पता है कि कल मैं तुमको किस भारी-भरकम रूप में मिलने वाली हूं!' *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

विडंबनाओं पर कटाक्ष

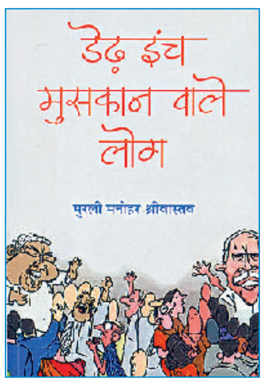

आज के बहुरूपिए समय में तमाम तरह की विडंबनाओं और विसंगतियों के संग जीने के लिए हम सब इतने अभ्यस्त हो गए हैं कि किसी भी प्रकार के विद्रूप में असहज महसूस नहीं करते हैं। लेकिन एक व्यंग्यकार की सजग दृष्टि न केवल जीवन और व्यवस्था में धंसे विद्रूप को इंगित करती है, उस पर कटाक्ष भी करती है। सुपरिचित व्यंग्यकार मुरली मनोहर श्रीवास्तव के ऐसे ही चुने हुए 65 व्यंग्यों का संग्रह 'डेढ़ इंच मुसकान वाले लोग' हाल में छपकर आया है। इनमें कहीं वे नेशनल कैरेक्टर से लेकर, आटा से ज्यादा डाटा की चिंता करते नजर आते हैं, तो कहीं चुटकी लेते हुए मीडिया का महिमा मंडन करते दिखते हैं। 'ऑफिस रस' शीर्षक व्यंग्य में वह लिखते हैं, 'जिसे एक बार ऑफिस रस की लत लग गई, वह इसकी प्रॉपर डोज के बिना रह ही नहीं पाता। वह कहीं भी रहे, किसी भी हाल में पड़ा हो, इस रस की प्राप्ति के लिए छटपटाता रहता है।' हर खास-ओ-आम की जिंदगी में आज की तारीख में इंटरनेट डाटा का क्या महत्व हो चुका है, इस बारे में व्यंग्यकार की टिप्पणी ध्यान देने योग्य है। 'आटा और डाटा' शीर्षक व्यंग्य में वह कहते हैं, 'कई बार लगता है कि आटा न भी मिले तो चलेगा पर डाटा खत्म हो गया तो जीकर क्या करेंगे? लड़ाई यह है कि आटा जन-जन तक पहुंचा कि डाटा?' *

पुस्तक: डेढ़ इंच मुसकान वाले लोग (व्यंग्य संग्रह), **लेखक:** मुरली मनोहर श्रीवास्तव, **मूल्य:** 400 रुपए, **प्रकाशक:** विद्या विहार, नई दिल्ली

सीजनल टूरिज्म / समीर चौधरी

हर नेचर लवर टूरिस्ट, मानसून में भीगी हरी-भरी पहाड़ी वादियों को करीब से निहारना चाहता है। हालांकि आमतौर पर इस सीजन को ट्रैकिंग के लिए सुटेबल नहीं माना जाता है। लेकिन कुछ ऑफबीट-सुरक्षित हिमालयी ट्रैकिंग स्पॉट्स पर जाकर आप अपनी इस चाहत को पूरा कर सकते हैं। ऐसे ही कुछ बेमिसाल ट्रैकिंग स्पॉट्स पर एक नजर।

मानसून में करिए फुल एंज्वॉय ये हिमालयन ट्रैकिंग स्पॉट्स

अनुभवी ट्रैकर्स के लिए परफेक्ट परांग ला ट्रैक, हिमाचल प्रदेश

परांग ला ट्रैक (18,400 फीट की ऊंचाई पर स्थित) अनुभवी ट्रैकर्स के लिए परफेक्ट माना जाता है, क्योंकि लद्दाख व स्पीति को जोड़ने वाला इसका पथरीला, तीखी ढलान वाला रूट थोड़ा चुनौतीपूर्ण हो सकता है। आप इस ट्रैक पर शुरुआत लेह के करजोक गांव से या स्पीति के चिचम/किब्बर गांव से कर सकते हैं। कठिन रास्तों के बावजूद आपको जादुई नजारे देखने को मिलेंगे। इस दौरान आप खिले हुए जंगली फूल, गहरी नीली त्सो मोरिरी झील के अलावा किआंग या तिब्बती जंगली गधों के झुंडों को भी कूदते-दौड़ते हुए देख सकते हैं। इसे विजिट करने का सबसे अच्छा समय जुलाई के मध्य से सितंबर की शुरुआत तक होता है। *

मोहक नजारा दिखाए मरखा घाटी, लद्दाख

जुलाई और सितंबर के मध्य में मरखा घाटी (17,060 फीट की ऊंचाई पर स्थित) की दूधिया सफेद नदियां, सुंदर लैंडस्केप और विशाल पहाड़ों की पृष्ठभूमि में हरी-भरी वादियां मन मोह लेती हैं। यहां से कांग यत्से पहाड़ का दिलकश नजारा भी दिखता है। यह ट्रैक लेह से आरंभ होता है और फिर जब आप ऊपर की तरफ बढ़ते हैं तो हेमिस नेशनल पार्क, सुदूर गांवों और आध्यात्मिक ताचा मठ से होते हुए यह सफर यादगार बनता चला जाता है। यहां ट्रैकिंग करते हुए आपको हिमालयन ब्लू शीप, हिमालयन ग्रिफ्फोन, स्नो लेपर्ड और पक्षियों की विभिन्न प्रजातियों का दीदार करने का अवसर भी मिलता है। *

हिडन डायमंड दरमा घाटी ट्रैक, उत्तराखंड

उत्तराखंड के कुमाऊं क्षेत्र में स्थित दरमा घाटी ट्रैक (14,000 फीट की ऊंचाई पर स्थित) एक छुपा हुआ हीरा कहा जाता है, जो आपको आकर्षक गांवों, घने जंगलों, रोलिंग घास के मैदानों और ग्लेशियर से पोषित धाराओं से रूबरू कराता है। इन सबकी पृष्ठभूमि में होती हैं हिमालय की विशाल ऊंची चोटियां। जब मानसूनी बारिश इस लैंडस्केप को भिगो देती है, तो यह वादी हरियाली और जंगली फूलों की सुगंध से भर जाती है। रास्ते में आपको बर्फ से ढंके पहाड़ मिलेंगे। आप इस दौरान स्थानीय समुदायों की विशिष्ट संस्कृति और मेजबानी का भी आनंद ले सकते हैं। जून से सितंबर इस ट्रैक पर जाने के लिए सबसे अच्छा समय है। *

हसीन वादियों से समृद्ध पिन घाटी, हिमाचल प्रदेश

मानसून में ट्रैकिंग के लिए एक अन्य बेहतरीन ट्रैकिंग स्पॉट पिन घाटी (15,780 फीट की ऊंचाई पर स्थित) है। यहां हरे-भरे जंगलों, विशाल घास के मैदानों, पथरीले रास्तों, बर्फ से ढंके मैदानों और ठंडे रेगिस्तानों का फोटो-फ्रेंडली नजारा देखने को मिलता है। यह ट्रैकिंग मुध नामक गांव से आरंभ होती है। पूरी तरह बर्फ से ढंकी झोपड़ियों की पृष्ठभूमि में मटर और जौ के खेत और तेज हवाओं के साथ झूमते पेड़-पौधे आपका मन मोह लेंगे। इस ट्रैकिंग के दौरान आप प्राकृतिक गर्म पानी के चश्मों के लिए विख्यात खीरगंगा पर रुक सकते हैं। पिन नेशनल पार्क के साथ गेचांग, का और थंगो जैसे स्थान देखना न भूलें। यहां जाने के लिए सबसे अच्छा समय जुलाई से मध्य सितंबर तक माना जाता है। *

वन्य-जीवन से दीदार कराता तोसामैदान ट्रैक, कश्मीर

इस मौसम में ट्रैकिंग की सोच रहे हैं तो तोसामैदान ट्रैक (12,460 फीट की ऊंचाई पर स्थित) आपकी बकट लिस्ट में अवश्य होना चाहिए। कश्मीर के गुलमर्ग में स्थित यह ट्रैक विशाल पीर पंजाल रेंज, अल्पाइन घास के मैदान, शंकुधारी और चीड़ के जंगलों, चमचमाती झीलों और बर्फ से ढंके पहाड़ों से होकर गुजरता है। इस मार्ग पर ट्रैकिंग के दौरान विभिन्न हिमालयी वन्य जीवों जैसे कस्तूरी हिरण, लेपर्ड और विभिन्न प्रजातियों की मुर्गियां आदि को देखने का मौका आपको मिलेगा। यहां ट्रैकिंग करने का सबसे अच्छा समय जुलाई से सितंबर तक का होता है। *

सेल्फ इंप्रूवमेंट
नरेंद्र कुमार

किसी भी प्रोफेशन में ग्रो करने के लिए लगातार सीखना और खुद को बेहतर बनाने की क्षमता का होना जरूरी है। ऐसा तभी हो सकता है, जब आपको अपनी कमियां पता हों। कमियां पता लगाने के लिए बॉस ही नहीं कुलीग्स, सीनियर्स का फीडबैक भी बहुत महत्वपूर्ण होता है। इस बारे में आपको जरूर जानना चाहिए।

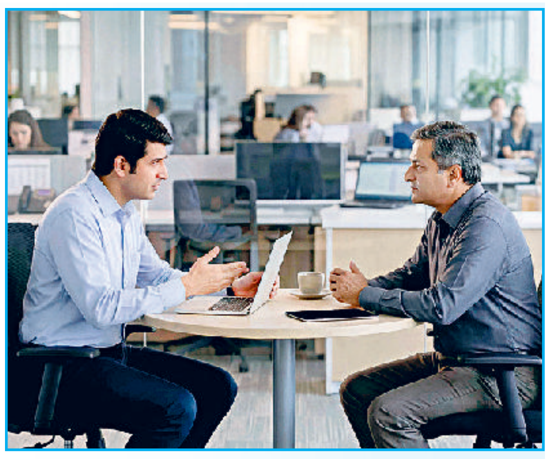

करियर ग्रोथ के लिए इंपॉर्टेंट है फीडबैक

आज के दौर में प्रोफेशनल दुनिया में कामयाबी के लिए सिर्फ मेहनत करना ही काफी नहीं है। कंपनियां अब अपने स्टाफ में ऐसे लोगों को चाहती हैं, जो हर समय सीखने को तैयार रहें। जो अपनी कमियों को पहचान सकें और किसी के द्वारा बताए जाने पर उसमें जरूरी सुधार करें। यही कारण है कि फीडबैक आज करियर ग्रोथ का एक महत्वपूर्ण जरिया बन चुका है। वास्तव में फीडबैक एक ऐसा आईना है, जिसमें हम अपनी प्रोफेशनल इमेज बहुत अच्छी तरह से देख सकते हैं। जो लोग इस आईने से डरते नहीं, वे लोग सचमुच इससे बहुत कुछ सीखते हैं।

क्या है फीडबैक: फीडबैक का मतलब केवल आपकी गलती बताया जाना नहीं होता। यह आपके प्रोफेशनल बिहेवियर, काम की प्रस्तुति और क्षमता का किया गया मूल्यांकन होता है, जिसमें सुझाव भी शामिल होता है। इसे अगर आप सकारात्मक तरीके से लेते हैं तो यह आपको बेहतर बनाने में मदद करता है और अगर आप इसे अपनी व्यक्तिगत अलोचना के तौर पर लेते हैं, तो इससे आपको नुकसान हो सकता है।

जरूरी है फीडबैक: डेढ़-दो दशक पहले नौकरियां आज के मुकाबले अपेक्षाकृत स्थिर हुआ करती थीं। लोग बीस-बीस, तीस-तीस साल तक एक ही कंपनी में गुजार देते थे। आज के समय में कंपनियां जरूरी नहीं है कि अगर किसी को अपने यहां रख लें तो उसे सालों-साल ढोती ही रहें। हां, आज भी दस पर्सेंट ऐसे कर्मचारी होते हैं, जो कई साल एक ही कंपनी में गुजार देते हैं। सवाल है, ऐसे थोड़े लोगों में क्या खूबी होती है कि आज भी कंपनियां इन थोड़े से लोगों को अपने साथ लंबे समय तक बनाए रखना चाहती हैं? दरअसल, आज कंपनियां उन्हीं कर्मचारियों को लंबे समय तक अपने साथ बनाए रखने में तरजीह देती हैं, जो अपनी प्रोफेशनल स्किल को लगातार बेहतर बनाने की कोशिश में रहते हैं और जब भी उन्हें कुछ सीखने का मौका मिलता है, जल्द से जल्द सीखने की कोशिश करते हैं। जो अपनी गलतियों में सुधार करने के लिए तैयार रहते हैं, समय और परिस्थितियों के मुताबिक काम के तौर-तरीके में जरूरी बदलाव करते हैं और टीम के साथ बेहतर तालमेल बनाए रखते हैं। वास्तव में ये क्वालिटीज फीडबैक के बेहतर उपयोग के नतीजे के रूप में सामने आती हैं।

फीडबैक बदलता है दिशा: कई बार लोगों को खुद अपनी कमजोरियों का अंदाजा नहीं हो पाता। ऐसे में अगर आप स्वयं को मिले फीडबैक के बाद अपने काम की गुणवत्ता के बारे में जरूरी समझकर, अपनी कमी को सुधारने की कोशिश करते हैं, तो यह कोशिश आपके लिए न केवल प्रमोशन बल्कि आगे चलकर टीम लीड करने की राह भी खोलेगी। यहां सीनियर्स को फीडबैक देने के तरीके के बारे में भी समझना जरूरी है। अकसर सीनियर्स गलत तरीके से या गुस्से में फीडबैक देते हैं। मसलन, किसी के काम में उन्हें कोई कमी नजर आती है, तो वह छूटते ही कह देते हैं, 'तुम हमेशा ही गलत काम करते हो।' इससे आपका कुलीग असहज हो जाता है। होना यह चाहिए कि किसी कुलीग या जूनियर को फीडबैक दें तो उसमें केवल कमी निकालने की बजाय उसके काम को और बेहतर बनाने के सुझाव पर फोकस होना चाहिए।

फीडबैक लेने का सही तरीका: फीडबैक देने के सही तरीके की तरह ही इसे लेने का तरीका भी सही होना चाहिए। सही तरीका यह है कि हम अपने काम में खामी निकालने वाले व्यक्ति की बात को ध्यान से सुनें, उसे बीच में कतई न टोकें। आप अपने लिए दिए गए महत्वपूर्ण सुझाव को लिख लें, ताकि बाद में जब अकेले में हों, तो उसे और बेहतर तरीके से समझ सकें। कोई भी फीडबैक मिलने पर आप सवाल पूछ सकते हैं, लेकिन यह सवाल रिएक्शन या ऑब्जेक्शन न लगे बल्कि आपको दी जा रही सलाह को और स्पष्ट किए जाने के संबंध में होना चाहिए या फिर बेहतर करने की इच्छा से संबंधित होना चाहिए। *

पुराने दौर से लेकर आज के समय में भी दुनिया भर के देशों में जन्मदिन के उत्सव को अलग-अलग तरीके से मनाया जाता रहा है। कुछ जगहों की परंपराएं तो बहुत ही अजब-अनोखी हैं। इनमें से कुछ दिलचस्प परंपराओं के बारे में यहां बता रहे हैं।

बर्थ-डे सेलिब्रेशन के अजब-अनोखे तरीके

बच्चों का 'किंडरफेस्ट' सेलिब्रेशन, जर्मनी

जन्मदिन पर 'पिन्याटा' फोड़ने की प्रथा, मैक्सिको

रोचक
नेहा जैन

बर्थ-डे का नाम सुनते ही सबसे पहले आपकी कल्पना में चारों तरफ सजे हुए रंग-बिरंगे गुब्बारे और मेज पर रखा सजा हुआ केक आता होगा। केक काटना आज जन्मदिन के उत्सव का एक अनिवार्य हिस्सा बन गया है। लेकिन केक के आविष्कार के पूर्व या उसके बाद भी दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में लोग किस तरह बर्थ-डे सेलिब्रेट करते थे, यह जानना बहुत दिलचस्प है।

प्राचीन यूनान (ग्रीस): प्राचीन काल में यूनान देश के लोग जन्मदिन के अवसर पर चंद्रमा की देवी आर्टेमिस के सम्मान में गोल आकार का शहद वाला केक बनाते थे, जो चांद का प्रतीक माना जाता था। केक पर जलती मोमबत्तियां चांद की चांदनी की तरह चमकती थीं। उनका मानना था कि मोमबत्तियों का धुआं उनकी प्रार्थनाओं को देवताओं तक पहुंचाता है।

रोमन सभ्यता: प्राचीन रोम में भी जन्मदिन के अवसर पर आटे, मेवों और शहद से बने केक या मीठी ब्रेड खिलाने का चलन था।

प्राचीन मिस्र (इजिप्ट): प्राचीन मिस्र के फराओ (राजाओं) के राज्याभिषेक के दिन को उनका 'जन्मदिन' माना जाता था, जिसे भव्य उत्सव के रूप में मनाते थे। इस अवसर पर विशेष तरह के कई पकवान बनाए जाते थे।

जर्मनी का किंडरफेस्ट: 18वीं शताब्दी में जर्मनी में बच्चों के जन्मदिन पर विशेष उत्सव मनाया जाता था, जिसे 'किंडरफेस्ट' कहा जाता था। यहां बच्चे की उम्र के अनुसार केक पर मोमबत्तियां लगाई जाती थीं और एक अतिरिक्त मोमबत्ती गुड लक के लिए रखी जाती थी।

ऐसे भी करते हैं बर्थ-डे सेलिब्रेट: आज भी दुनिया के अलग-अलग देशों में जन्मदिन को अनूठे तरीकों से मनाते हैं। इनमें से कुछ के बारे में यहां बता रहे हैं।

चीन: चीन में बच्चे के बर्थ-डे पर केक की जगह लंबी उम्र के प्रतीक के रूप में 'लॉन्जिविटी नूडल्स' खाए जाते हैं। मान्यता है कि नूडल्स जितने लंबे होंगे, उम्र उतनी ही लंबी होगी। हालांकि अब वहां केक के साथ भी बर्थ-डे सेलिब्रेशन लोकप्रिय है।

ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड: इन दोनों देशों में बर्थ-डे के अवसर पर फलों और क्रीम से सजी 'पावलोवा' केक बनाया और खाया जाता है।

जापान: यहां 3, 5 और 7 साल का होने पर बच्चों का जन्मदिन विशेष उत्सव के रूप में मनाते हैं, जहां वे पारंपरिक किमोनो पहनकर मंदिर जाते हैं। यह परंपरा शिकी-गो-सान कहलाती है।

मैक्सिको: यहां जन्मदिन की पार्टियों में 'पिन्याटा' फोड़ने का रिवाज है। यह कागज से बना बड़ा-सा खिलौना या गुब्बारा होता है। इसे कैंडी और छोटे-छोटे खिलौनों से भरा जाता है, फिर ऊंचाई पर लटका दिया जाता है। फोड़ने पर इससे निकलने वाले उपहारों को बच्चे बड़े उत्साह से लूटते हैं।

दक्षिण कोरिया: यहां जन्मदिन की सुबह 'मियेओक-गुक' (सीवीड सूप) पीना अनिवार्य माना जाता है। यह मां के प्रति सम्मान जताने का तरीका है, क्योंकि प्रसव के बाद मांएं इसे खाती हैं।

डेनमार्क: डेनमार्क में यदि किसी के घर के बाहर राष्ट्रीय ध्वज लहरा रहा हो तो इसका मतलब है कि घर में किसी का जन्मदिन है।

कनाडा: कनाडा में कुछ जगहों पर बर्थ-डे पर उस व्यक्ति की 'नोज ग्रीसिंग' की परंपरा है। माना जाता है कि नाक पर मक्खन लगाने से आने वाले साल में उसकी मुसीबतें फिसल कर दूर चली जाएंगी। कनाडा और अमेरिका में लड़कियों के 16वें जन्मदिन को बड़े उत्सव के रूप में मनाया जाता है। इसे स्वीट सिक्सटीन फेस्टिवल के रूप में मनाते हैं।

लैटिन अमेरिका: लैटिन अमेरिकी देशों में लड़कियों के 15वें जन्मदिन को विशेष धूमधाम से मनाया जाता है, जो उनके बचपन से वयस्कता की ओर बढ़ने का प्रतीक होता है। *

भारत में बर्थ-डे सेलिब्रेशन

अपने देश भारत में जन्मदिन पर मंदिर जाने, अपने से बड़ों का आशीर्वाद लेने और नए कपड़े पहनने आदि का रिवाज है। हालांकि महानगरों में आजकल बर्थ-डे पर केक काटना पॉपुलर हो गया है। लेकिन भारत में पारंपरिक रूप से इस अवसर पर खीर, मिठाई या हलवा खिलाया जाता है।

अनूठे बर्थ-डे केक्स

बर्थ-डे केक से जुड़ी कुछ बातें बहुत ही इंट्रेस्टिंग हैं।

भारत का सबसे भारी बर्थ-डे केक: भारत का सबसे भारी और लंबा बर्थडे केक 5.7 टन का था। यह विशाल केक जनवरी 2020 में भारतीय अभिनेता 'रॉकिंग स्टार यश' के जन्मदिन के अवसर पर बेंगलुरू, कर्नाटक में बनाया गया था। इसे बनाने में 22,500 अंडे, 1,800 किलोग्राम मैदा और 1,150 किलोग्राम चीनी का इस्तेमाल किया गया था। इस केक को 'श्री राम भवन स्वीट्स एंड बेकरी' के 20 कारीगरों ने 96 घंटों में तैयार किया था।

दुनिया का सबसे महंगा केक: दुनिया का सबसे महंगा केक ब्रिटिश डिजाइनर डेबी विंघम द्वारा वर्ष 2015 में बनाया गया था, जिसकी कीमत लगभग 75 मिलियन डॉलर (करीब 625 करोड़ रुपए) थी। यह केक एक फैशन रनवे की थीम पर आधारित था, जिसमें 4,000 से अधिक असली हीरे और कीमती रत्न जड़े गए थे।

दुनिया का सबसे बड़ा बर्थ-डे केक: यह रिकॉर्ड सन् 1990 में अमेरिका के अलबामा राज्य के फोर्ट पायने शहर के 100वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में बने केक के नाम है।

सिने-ट्रेंड
गौरव द्विवेदी

लेखकों की मेज से उपजा हिंदी सिनेमा का स्वर्णयुग

हिंदी सिनेमा का स्वर्णिम दौर केवल सितारों का नहीं, बल्कि लेखकों का भी स्वर्णिम समय था। साहित्य से निकली कहानियों और सशक्त पटकथाओं ने उस दौर की फिल्मों को कालजयी बनाया। आज जब बॉलीवुड सशक्त कहानी की कमी से जूझ रहा है, ऐसे में उसे फिर से साहित्य की ओर लौटने की दरकार है।

हिंदी सिनेमा का स्वर्णिम दौर केवल महान अभिनेताओं का दौर नहीं था, बल्कि महान लेखकों का भी दौर था। 1950, 60 और 70 के दशक में बॉलीवुड की सबसे बड़ी ताकत उसके लेखक हुआ करते थे। उस दौरान फिल्मों की नींव प्रायः साहित्य पर रखी जाती थी और पटकथा लेखक फिल्म निर्माण की प्रक्रिया के केंद्र में हुआ करते थे। यही कारण है कि उस दौर की अनेक फिल्में आज भी प्रासंगिक लगती हैं, जबकि तकनीकी रूप से कहीं अधिक उन्नत आज की कई फिल्में कुछ वर्षों में ही भुला दी जाती हैं।

साहित्य-सिनेमा चलते थे साथ-साथ: हिंदी फिल्मों के उस स्वर्ण युग के पीछे प्रोग्रेसिव राइटर्स एसोसिएशन और भारतीय साहित्यिक परंपरा का गहरा प्रभाव था। उर्दू और हिंदी साहित्य से जुड़े अनेक लेखक फिल्म उद्योग में आए। इनमें साहिर लुधियानवी, कैफी आजमी, ख्वाजा अहमद अब्बास, राजेंद्र सिंह बेदी, इस्मत चुगताई, कृशन चंदर, अली सरदार जाफरी, राही मासूम रजा, गुलशन नंदा, कमलेश्वर, मनोहर श्याम जोशी और शैलेंद्र के नाम प्रमुख थे। इन लेखकों ने फिल्मों को केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं रहने दिया, बल्कि समाज, राजनीति और मानवीय संवेदनाओं का सशक्त दस्तावेज बना दिया।

साहित्य का विस्तार होती थीं फिल्मी पटकथा: उस दौर में पटकथा लेखन सिर्फ घटनाओं का क्रम नहीं था, बल्कि साहित्य का स्वाभाविक विस्तार हुआ करता था। ख्वाजा अहमद अब्बास ने 'आवारा', 'श्री 420', 'जागते रहो' और 'बॉबी' जैसी फिल्मों में सामाजिक यथार्थ को स्वर दिया। राजेंद्र सिंह बेदी ने 'देवदास', 'मधुमती' और 'अनुपमा' जैसी फिल्मों की पटकथाओं में साहित्यिक गहराई जोड़ी। राही मासूम रजा ने 'मैं तुलसी तेरे आंगन की', 'गोलमाल' और बाद में 'महाभारत' (सीरियल) से अपनी पहचान बनाई।

साहित्य से निकली कालजयी फिल्में: यह वह दौर था, जब फणीश्वरनाथ रेणु की कहानी पर 'तीसरी कसम' बनी, आर. के. नारायण के उपन्यास पर 'गाइड' बनी, बिमल मित्र के उपन्यास पर 'साहिब बीवी और गुलाम' बनी। मन्नू भंडारी, अमृता प्रीतम, धर्मवीर भारती और प्रेमचंद जैसे साहित्यकारों की रचनाएं भी फिल्मकारों को प्रेरित करती थीं। सत्यजीत रे, ऋत्विक घटक और मृणाल सेन जैसे फिल्मकारों का प्रभाव भी हिंदी सिनेमा के गंभीर रचनाकारों पर दिखाई देता था।

पटकथा लेखन के स्टार सलीम-जावेद: 1970 के दशक में पटकथा लेखन को नई ऊंचाई सलीम-जावेद की जोड़ी ने दी। 'जंजीर', 'दीवार', 'शोले', 'त्रिशूल', 'डॉन' और 'शक्ति' जैसी फिल्मों ने साबित किया कि मजबूत कहानी और दमदार संवाद किसी भी फिल्म की सबसे बड़ी पूंजी होते हैं। यह संयोग नहीं है कि इन फिल्मों के संवाद आज भी लोगों की यादों में बसे हुए हैं।

बदलने लगीं प्राथमिकताएं: 1980 के दशक में हिंदी सिनेमा की दिशा बदलने लगी। वीडियो कैसेट संस्कृति, टेलीविजन का विस्तार और तेजी से बढ़ते व्यावसायिक दबावों के बीच कहानी की जगह फॉर्मूले ने लेनी शुरू कर दी। 'डिस्को डांसर' और 'हिम्मतवाला' जैसी फिल्मों की व्यावसायिक सफलता ने निर्माताओं को यह विश्वास दिलाया कि संगीत, सितारे और मनोरंजक मसाले, सशक्त कहानी की कमी पूरी कर सकते हैं।

नहीं है कहानियों की कोई कमी: वास्तव में बॉलीवुड की समस्या प्रतिभा की कमी नहीं, बल्कि साहित्य और समाज से दूरी है। हिंदी पट्टी में प्रेमचंद, रेणु, श्रीलाल शुक्ल, अमरकांत, काशीनाथ सिंह, उदय प्रकाश, चित्रा मुद्गल, गीतांजलि श्री, संजीव और नीलोत्पल मृणाल जैसे लेखकों का विशाल संसार मौजूद है। लोककथाओं, इतिहास, ग्रामीण भारत, छोटे शहरों, सामाजिक बदलावों और समकालीन भारत के असंख्य अनुभवों से भरी कहानियां आज भी लिखी जा रही हैं। जरूरत केवल उन्हें पर्दे पर लाने की इच्छा की है।

फिर से देना होगा कहानियों को महत्व: यदि बॉलीवुड को अपनी खोई हुई रचनात्मक ऊर्जा वापस हासिल करनी है तो उसे फिर से लेखकों की महत्ता को स्वीकारना होगा। आखिरकार 'मदर इंडिया', 'दो बीघा जमीन', 'गाइड', 'आनंद' जैसी फिल्मों को कैमरों ने नहीं, कहानियों ने अमर बनाया था। सिनेमा का भविष्य भी वहीं से निकलेगा जहां उसका स्वर्णिम अतीत जन्मा था यानी लेखकों की मेज से। *

(लेखक फिल्म नीति के जानकार हैं)

दक्षिण भारतीय फिल्मों में बरकरार कहानी का महत्व

दक्षिण भारतीय फिल्म उद्योगों ने कहानी की परंपरा को बनाए रखा। मलयालम सिनेमा में एम. टी. वासुदेवन नायर, पद्मराजन, लोहितदास और हाल के वर्षों में दिलीश पोथन तथा श्याम पुष्करण जैसे लेखकों-निर्देशकों ने साहित्य और समाज से जुड़ी कहानियों को जीवित रखा। तमिल सिनेमा में जयकांतन, सुजाता और बाद में वेट्रिमारन जैसे फिल्मकारों ने यथार्थवादी कथाओं की परंपरा को आगे बढ़ाया। इसी का परिणाम है कि 'दृश्यम', 'प्रेमम', 'कुंबलंगी नाइट्स', 'महाराजा', 'असुरन', 'जय भीम', '96', 'कांतारा', 'चार्ली 777' और 'पुष्पा' जैसी फिल्में अपनी स्थानीय संस्कृति में रची-बसी होने के बावजूद राष्ट्रीय और वैश्विक दर्शकों तक पहुंचती हैं। ये फिल्में दर्शाती हैं कि स्थानीयता ही वैश्विकता का रास्ता बन सकती है